कालोऽहम्

कालोऽहम्

(1)

कालोऽहम्। अहं खलु कालः। विश्वस्य आत्माऽहम्। कलयामि गणयामि जगतः आयुःप्रमाणम्। सततं चक्रवत् परिवर्तमानः भूतं वर्तमानं भविष्यदपि च वीक्षमाणः अहमेव साक्षी जगतः उत्पत्तेः विकासस्य प्रलयस्य च। इदम् जगत् तु पुनः पुनः जायते विलीयते च परमहं सर्वदा विद्यमानोऽस्य सर्वं क्रियाकलापं पश्यामि। अहो! किं जानीथ यूयम्, 'कियती प्राचीना इयम् सृष्टिः!' नैव! तर्हि शृण्त ध्यानेन।

हिंदी अनुवाद (Hindi Translation)

मैं समय हूँ। मैं निश्चित रूप से समय हूँ। मैं विश्व की आत्मा हूँ। मैं संसार की आयु के प्रमाण को गिनता हूँ। इसका आकलन करता हूँ। हमेशा पहिए के समान घूमता हुआ भूत, वर्तमान और भविष्य को देखते हुए मैं ही संसार की उत्पत्ति, विकास और प्रलय का गवाह हूँ। यह संसार तो बार-बार उत्पन्न होता है और नष्ट होता है परन्तु मैं हमेशा विद्यमान रहता हुआ इसके सारे क्रियाकलापों को देखता हूँ। अहो! क्या तुम जानते हो ''यह सृष्टि (रचना) कितनी प्राचीन है?'' यदि नहीं जानते हो तो ध्यान से सुनो।

शब्दार्थाः (Word-meanings Sanskrit to Sanskrit, Hindi and English)

कलयामि—गणयामि, गिनता हूँ (Count)। वीक्षमाण:—सम्यक् पश्यन्, भली प्रकार देखते हुए (While watching carefully)। विलीयते—विलीनं भवति, संमा जाती है (Dissolves)।

समासाः (Compounds)

आयु प्रमाणम् – आयुषः प्रमाणम् (षष्ठी तत्पुरुषः)। क्रियाकलापम् – क्रिया च कलापम् च (द्वन्द्वः)। सन्धि-विच्छेदः (Disjoin Sandhi)

आत्माऽहम् – आत्मा + अहम् (पूर्वरूप सन्धि:)। भविष्यदपि – भविष्यत् + अपि (व्यंजन सन्धि:)। विद्यमानोऽस्य – विद्यमानः + अस्य (विसर्ग सन्धि:)। नैव – न + एव (वृद्धि सन्धि:)।

प्रत्ययाः (Suffixes)

परिवर्तमान: परि + वृत् + शानच्। कियती - कियत् + ङीप्। वीक्षमाण: - वि + ईक्ष् + शानच्। साक्षी - साक्ष + इन्। प्राचीना - प्राचीन + टाप्। विद्यमान: - विद् + शानच्।

प्रश्नाः (Questions)

- (I) एकपदेन उत्तरत-
 - (i) अत्र वक्ता क:?

(ii) क: चक्रवत् परिवर्तमान: अस्ति?

(II) पूर्णवाक्येन उत्तरत-

(i) काल: कस्य साक्षी?

(ii) विश्वस्य आत्मा क:?

(III) भाषिककार्यम्-

- (i) 'जायते' पदस्य विपर्ययपदं किम्?
 - (क) नश्यित (ख) लीयते
- (ग) विलीयते
- (घ) उद्भवती
- (ii) 'कियती प्राचीना इयम् सृष्टि:' इत्यस्मिन् वाक्ये विशेष्यपदं किम्?
 - (क) सृष्टि: (ख) कियती
- (ग) इयम्
- (घ) प्राचीना

- (iii) 'गणयामि' इति पदस्य पर्यायपदं किम्?
 - (क) जानामि
- (ख) नयामि
- (ग) कलयामि
- (घ) यामि

- (iv) 'जायते' इति क्रियाया: कर्तृपदं किम्?
 - (क) प्रलयं
- (ख) जगत्
- (ग) सृष्टि:
- (घ) संसार:

```
(v) 'अहम्' इति सर्वनामपदस्य प्रयोग: कस्मै अभवत्?
               (क) जगते
                                 (ख) सृष्ट्यै
                                                      (ग) जगताय
                                                                         (घ) कालाय
           (vi) 'निरन्तरम्' इति अर्थे किं पैदं प्रयुक्तम्?
               (क) सततम्
                                 (ख) क्षणम्
                                                     (ग) अक्षुण्यम्
                                                                         (घ) कदाचित्
 उत्तराणि- (I) (i) काल: (ii) काल:।
          (II) (i) काल: जगत: उत्पत्ते: विकासस्य प्रलयस्य च साक्षी। (ii) काल: विश्वस्य आत्मा वर्तते।
          (III) (i) (ग) विलीयते (ii) (क) सृष्टि: (iii) (ग) कलयामि (iv) (ख) जगत् (v) (घ) कालाय
              (vi) (क) सततम्।
प्रश्ननिर्माणम् – (i) अहं खलु काल:।
                (ii) अहमेव जगतः उत्पत्तेः, विकासस्य, प्रणयस्य च साक्षी अस्मि।
               (iii) तर्हि शृणुत ध्यानेन।
               (iv) विश्वस्य अहम् आत्मा।
उत्तराणि-(i) क: (ii) कस्य (iii) कथम् (iv) कस्य।
                                                (2)
'कृतयुगं त्रेतायुगं द्वापरयुगं कलियुगञ्चेति चत्वारि युगानि। चतुर्णां युगानां समूहः एव महायुगम्।
एकसप्ततिमहायुगानाम् एकम् मन्वन्तरम्। चतुर्दशमन्वन्तराणां समूहः कल्पः। एकः कल्प एव ब्रह्मणः
एकं दिनं मन्यते। ब्रह्मणः आयुः शतं वर्षाणि।'
अहो! श्रूयते शंखध्वनिः! युगादिपर्वणि कस्मिंश्चिद् गृहे नूतनसंवत्सरस्य अभिनन्दनसमारोहः
आयोज्यते। अद्य कलियुगं तु द्विपञ्चाशत्तमं शतकं प्रविशति। तदैव समारोहारम्भे कश्चन विद्वान्
सङ्कल्पवाचनं करोति–
हिंदी अनुवाद (Hindi Translation)
सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग ये चार युग हैं। चारों युगों का समूह ही महायुग होता है। इकहत्तर महायुगों का एक
मन्वन्तर होता है। चौदह मन्वन्तरों का समूह एक कल्प कहलाता है। एक कल्प ही ब्रह्मा का एक दिन माना गया है। ब्रह्मा
की आयु सौ वर्ष मानी जाती है।
अहो, शंख ध्विन सुनी जा रही है। युगारम्भ के पर्व पर किसी घर में नववर्ष का अभिनन्दन समारोह आयोजित किया जा रहा
है। आज कलियुग बावनवीं सदी में प्रवेश कर रहा है। तभी समारोह के आरम्भ में कोई विद्वान संकल्पवाचन कर रहा है।
शब्दार्थाः (Word-meanings Sanskrit to Sanskrit, Hindi and English)
कल्प:-संवर्त:, सृष्टि का अन्त (End of the world)। कृतयुगम्-सतयुगम्, सतयुग (Period of truth)। युगादि
पर्वणि-युगारम्भस्य उत्सवे युगारम्भ के उत्सव में (नए वर्ष के शुरू में) (In the festival of the new year)।
सन्धि-विच्छेदः (Disjoin Sandhi)
     कलियुगञ्चेति – कलियुगम् + च (परसवर्ण सन्धि:) + इति (गुणसन्धि:)।
     कस्मिरिचद् - कस्मिन् + चिद् (अनुस्वार सन्धिः)। मन्वन्तराणाम् - मनु + अन्तराणाम् (यण् सन्धिः)।
                – तदा
                           + एव (वृद्धि सन्धिः)।
                                                                 - क: + चन (विसर्ग सन्धि:)
    शंखध्वनि: - शंखस्य ध्वनि: (षष्ठी तत्पुरुष:)।
समासाः (Compounds)
    महायुगम्
                महत् युगम् (कर्मधारय:)।
                                                  अभिनन्दनसमारोहः - अभिनन्दनस्य समारोहः (षष्ठी तत्पुरुषः)।
               शंखस्य ध्वनि: (षष्ठी तत्पुरुष:)।
                                                  समारोहारम्भे
                                                                 – समारोहस्य आरम्भे (षष्ठी तत्पुरुष:)।
    चत्वारि युगानि – चतुर्युगानि (कर्मधारय:)।
प्रश्नाः (Questions)
    (I) एकपदेन उत्तरत-
             (i) युगानि कति सन्ति?
                                                 (ii) कः सङ्कल्पवाचनम् करोति?
   (II) पूर्णवाक्येन उत्तरत-
             (i) कदा अभिनन्दनसमारोह: आयोज्यते?
                                                 (ii) कल्प: क: भवति?
  (III) भाषिककार्यम्-
             (i) 'वर्षस्य' अर्थे अत्र किं पदं प्रयुक्तम्?
                (क) संवत्सरस्य
                                  (ख) मासस्य
                                                        (ग) दिनस्य
                                                                           (घ) पक्षस्य
            (ii) ब्रह्मण: आयु: कति वर्षाणि?
                (क) सहस्रम्
                                (ख) लक्षम्
                                                        (ग) शतम्
                                                                           (घ) नियुतम्
           (iii) आयु: इति पदं कस्मिन् लिङ्गे अस्ति?
                (क) पुल्लिङ्गे
                                  (ख) स्त्रीलिङ्गे
                                                        (ग) नपुंसकलिङ्गे
                                                                           (घ) कस्मिन्नपिन
           (iv) कलियुगं कं शतकं प्रविशति?
                (क) पञ्च पञ्चाशत्तमम् (ख) एकपञ्चाशत्तमम् (ग) त्रिपञ्चाशत्तमम् (घ)
                                                                                         द्विपञ्चाशत्तमम्
 उत्तराणि- (I) (i) चत्वारि (ii) विद्वान्।
           (II) (i) युगादि पर्वणि नूतनसंवत्सरस्य अभिनन्दनसमारोहः आयोज्यते। (ii) ब्रह्मणः एकं दिनं एव एकः कल्पः मन्यते।
           (III) (i) (क) संवत्सरस्य (ii) (ग) शतम् (iii) (ग) नपुंसकलिङ्गे (iv) (घ) द्विपञ्चाशत्तमम्।
प्रश्ननिर्माणम् (i) ब्रह्मणः आयुः शतं वर्षाणि।
                                                         (ii) शंखध्वनि: श्रूयते।
                (iii) कश्चन विद्वान् संकल्प वाचनं करोति। (iv) एक: कल्प: एव ब्रह्मण: एकं दिनं मन्यते।
उत्तराणि-(i) कति? (iv) का? (ii) किम्? (iv) कस्य?
```

अये! कथम् इमम् सङ्कल्पं श्रुत्वा विस्मिताः यूर्यम्? अयं तु वर्तमानकालदेशपरिचायकः। प्राचीनतमा हि एषा गणना। अपि ज्ञायते मदीयायाः अस्याः गणनायाः आधारः?

हिंदी अनुवाद (Hindi Translation)

"विष्णु की आज्ञा से प्रवर्तमान ब्रह्म के दूसरे परार्ध में, श्वेतवाराह कल्प में, वैवस्वत मन्वतर में अट्ठाईसवें किलयुग में, प्रथम चरण में, जम्बूद्वीप में भारतवर्ष में भरत खण्ड में आर्यावर्त नामक एक खण्ड में यमुना के किनारे दिल्ली मण्डल में, नन्दन नामक संवत्सर में सूर्य के उत्तरायण में, वसन्त ऋतु में चैत्रमास में, शुक्लपक्ष में, प्रथमा तिथि में बृहस्पितवार को उत्तराभाद्रपद नामक नक्षत्र में शुक्लयोग में, विध्ननाशार्थ नामक नक्षत्र में संगल कार्य करूँगा।"

अरे, इस संकल्प को सुनकर तुम सब आश्चर्यचिकत कैसे हो गए? यह वर्तमान समय और देश का परिचय देने वाला है। यह गिनती अत्यन्त पुरानी है। क्या तुम सब मेरी इस काल गणना के आधार को जानते हो?

शब्दार्थाः (Word-meanings Sanskrit to Sanskrit, Hindi and English)

विस्मित:-चिकता:, आश्चर्य में पड़े हुए (Surprised)। मदीयाया:-मम, मेरी (Mine)। गणनाया:-कलनस्य, गणना का (Of counting)।

सन्धि-विच्छेदः (Disjoin Sandhi)

विष्णोराज्ञया – विष्णो: + आज्ञया (विसर्ग सन्धि:)। सूर्योत्तरायणे – सूर्य + उत्तर (गुण) + अयने (दीर्घ सन्धि:)। सङ्कल्पम् – सम् + कल्पम् (परसवर्ण सन्धि:)। नामाहम् – नाम + अहम् (दीर्घ सन्धि:)। वसन्ततौँ – वसन्त + ऋतौ (गुण सन्धि:)।

समासाः (Compounds)

द्वितीयपरार्धे – द्वितीये परार्धे (कर्मधारय:)। यमुनातीरे – यमुनाया: तीरे (षष्ठी तत्पुरुष:)। मङ्गलकार्यम् – मङ्गलम् कार्यम् (कर्मधारय:)। वर्तमानदेशकालपरिचायका: – वर्तमान देशस्य कालस्य च परिचायका: (षष्ठी तत्पुरुष:)।

प्रत्ययाः (Suffixes)

प्रवर्तमानस्य – प्र + वृत् + शानच्। प्राचीनतम – प्राचीनतम + टाप्। विस्मिता: – वि + स्मि + क्त।

प्रश्नाः (Questions)

- (I) एकपदेन उत्तरत-
 - (i) 'सङ्कल्पः' कस्य परिचायकः? (ii) एषा गणना कीदृशी वर्तते?
- (II) पूर्णवाक्येन उत्तरत-
 - (i) तिथि: का अस्ति?
- (ii) अत्र क: प्रश्न: वर्तते?

(III) भाषिककार्यम्-

- (i) 'करिष्ये' इति क्रियाया: कर्तृपदं किम्?
 - (क) त्वम् (ख) युवाम्
- (ग) अहम्
- (घ) आवाम्
- (ii) 'अयम् तु वर्तमान कालदेशपरिचायकः' इत्यस्मिन् वाक्ये 'अयम्' पदस्य प्रयोगः कस्मै अभवत्?
 - (क) कालाय (ख) वचनाय
- (ग) वाक्याय
- (घ) सङ्कल्पाय

- (iii) 'विस्मता:' इति पदे कः प्रत्ययः?
 - (क) क्त (ख) क्ताः
- (ग) क्तवतु
- (घ) क्त्वा
- (iv) 'प्राचीनतमा' इति कस्य पदस्य विशेषणम्?
 - (क) सृष्टि: पदस्य (ख) गणना पदस्य
 - 2 (1) (2) (1) (1)
- (ग) युगम् पदस्य (घ) उत्पत्तिः पदस्य

उत्तराणि - (I) (i) वर्तमानकालदेशयो: (ii) प्राचीनतमा।

- (II) (i) तिथि: प्रतिपदा अस्ति। (ii) 'अपि जायते मदीयाया: अस्या: गणनाया: आधार:' इति अत्र प्रश्न: वर्तते।
- (III) (i) (ग) अहम् (ii) (घ) सङ्कल्पाय (iii) (क) क्त (iv) (ख) 'गणना' पदस्य।

प्रश्निर्माणम् (i) प्राचीनतमा हि एषा गणना।

(ii) अयं तु वर्तमान-कालदेशपरिचायक:।

(iii) यमुना नदी **दिल्लीमण्डले** वर्तते।

(iv) अधुना अहं **मङ्गलकार्यं** करिष्ये।

उत्तराणि-(i) कीदृशी (ii) क: (iii) कुत्र (iv) किम्।

मम कलनस्य तु आधारः सूर्य एव। सूर्यस्य द्वे गती उत्तरायणम् दक्षिणायनञ्च। प्रयेकम् अयनस्य अवधिः षण्मासाः। भारतीयमासानां नामानि नक्षत्रनामभिः सम्बद्धानि। पूर्णिमायां यत् नक्षत्रं भवति तेनैव नाम्ना तस्य मासस्य नाम भवति। यथा चैत्रे मासे पूर्णिमा चित्रानक्षत्रयुता भवति, अतः तस्य मासस्य नाम 'चैत्रः' भवति।

हिंदी अनुवाद (Hindi Translation)

मेरी गिनती का आधार तो सूर्य ही है। सूर्य की दो गतियाँ होती हैं–उत्तरायण और दक्षिणायन। प्रत्येक अयन की समय-सीमा छ: मास होती है। भारतीय महीनों के नाम नक्षत्र के नामों से जुड़े हैं। पूर्णिमा में जो नक्षत्र होता है उसी के नाम से ही उस मास का नाम होता है। जिस प्रकार चैत्रमास में पूर्णिमा चित्रा नक्षत्र से युक्त होती है, इसलिए उस मास का नाम चैत्र मास होता है।

शब्दार्थाः (Word-meanings Sanskrit to Sanskrit, Hindi and English)

कलनस्य-गणनाया:, गणना का (Of counting)। अवधि:-समय:, समय (Duration)। नक्षत्रम्-तारकम्, नक्षत्र (Star)। सन्धि-विच्छेदः (Disjoin Sandhi)

दक्षिणायनञ्च - दक्षिण + अयनम् (दीर्घ सन्धि:) + च (परसवर्ण सन्धि:)।

– उत्तर + अयनम् (दीर्घ सन्धि:)। उत्तरायणम् षण्मासाः - षट् + मासाः (व्यंजन सन्धिः)। – प्रति + एकम् (यण् सन्धिः)। प्रत्येकम् तेनैव - तेन + एव (वृद्धि सन्धि:)।

समासाः (Compounds)

 एकम् एकम् इति (अव्ययीभाव:)। नक्षत्रनामभिः – नक्षत्रणाम् नामभिः (षष्ठी तत्पुरुषः)। चित्रनक्षत्रयुता – चित्रानक्षत्रेण युता (तृतीया तत्पुरुष:)।

प्रत्ययाः (Suffixes)

सम्बद्धानि – सम् + बध् + क्ता

युता - युत + टाप्।

प्रश्नाः (Questions)

- (I) एकपदेन उत्तरत-
 - (i) सूर्यस्य कति गती?

(ii) अयनस्य अवधि: कति मासा: वर्तते?

(II) पूर्णवाक्येन उत्तरत-

मासस्य नाम कथम् भवति?

(III) भाषिककार्यम्-

- (i) 'समय:' इत्यर्थे अत्र किं पदं प्रयुक्तम्?
 - (ক) কাল: (ख) अवधि:
- (ग) कलनम्
- (घ) यापनम्
- (ii) 'चैत्रमासे' इति अनयो: पदयो: विशेष्यपदं किम्?
 - (क) चैत्रः (ख) चैत्रे
- (ग) मास: (घ) मासे
- (iii) 'गती' इति पदम् कस्मिन् वचने अस्ति?
 - (क) द्विवचने (ख) एकवचने
- (ग) बहुवचने
- (घ) कस्मिन्नपिन
- (iv) 'उत्तरायणम्' इति पदस्य विलोमपदं लिखत।
 - (क) दक्षिणायनम् (ख) अयनम्
- (ग) दक्षिणम्
- (घ) दक्षिणायने

उत्तराणि – (I) (i) द्वे (ii) षण्मासा:।

- (II) पूर्णिमायां यत् नक्षत्रं भवति तेनैव नाम्ना तस्य मासस्य नाम भवति।
- **प्रश्निर्माणम्** (i) सूर्य: एव **मम** कलनस्य आधार: अस्ति।
- (III) (i) (ख) अवधि: (ii) (घ) मासे (iii) (क) द्विवचने (iv) (क) दक्षिणायनम्।
 - (iii) सूर्यस्य द्वे गती भवत:।
- (ii) भारतीयमासानां नामानि **नक्षत्रनामभिः** सम्बद्धानि। (iv) प्रत्येकम् अयनस्य **अवधिः** षण्मासाः अस्ति।

उत्तराणि-(i) कस्य (ii) कै: (iii) कित (iv) का

(5)

संवत्सरस्य तु विषये इदमुच्यते-

षण्णाभेर्द्वादशाक्षस्य चतुर्विंशतिपर्वणः। यस्त्रिषष्टिशतारस्य वेदार्थं स परः कविः॥१॥

षड्ऋतव एव मे नाभयः। द्वादशमासा एव अक्षत्वेन गण्यन्ते। चतुर्विंशतिः पक्षा एव पर्वाणि। षष्ट्युत्तर त्रिशतानि दिनानि एव अराणि।

परमहम् अखण्डः शाश्वतः विभुः च। नूतनसंवत्सरोत्सवदिवसे इदानीम् इयमेव मे शुभाशंसा– सर्वस्तरतु दुर्गाणि, सर्वो भद्राणि पश्यतु। सर्वः कामानवाप्नोतु, सर्वः सर्वत्र नन्दतु॥२॥

हिंदी अनुवाद (Hindi Translation)

संवत्सर के विषय में तो यह कहा गया है-जो व्यक्ति छ: नाभियों, बारह धुरियों, चौबीस पर्वों, तीन सौ साठ अरों के अर्थ को जानता है, वही महान् विद्वान् है।

सौ साठ दिन ही तीन सौ साठ अरे हैं परन्तु मैं तो अखण्ड, शाश्वत् और सर्वव्यापक हूँ। नववर्ष के उत्सव पर आपके लिए सभी कठिनाइयों को पार करें। सभी का कल्याण हो (सभी अच्छी बातें देखें)। सबकी सारी इच्छाएँ पूर्ण हों। सभी सब जगह प्रसन्न रहें। अन्वयः (Prose-order) षण्णाभेर्द्वावशाक्षस्य चतुर्विशतिपर्वणः। यस्त्रिषष्टिशतारस्य वेदार्थं स परः कविः॥1॥ 1. य: षट् नाभे: (i) चतुर्विशति:-पर्वण: (ii) शत-अरस्य (iii) वेद सः परः (iv) वर्तते। मञ्जूषा - त्रिषष्टि, कवि:, द्वादशाक्षस्य, अर्थं उत्तराणि-(i) द्वादशाक्षष्टस्य (ii) त्रिषष्टि (iii) अर्थं (iv) कवि:। सर्वस्तरतु दुर्गाणि, सर्वो भद्राणि पश्यतु। सर्वः कामानवाप्नोतु, सर्वः सर्वत्र नन्दतु॥२॥ 2. सर्व: (i) तरतु, सर्व: (ii) पश्यतु। सर्व: कामान् (iii) सर्व: (iv) नन्दत्। मञ्जूषा – अवाप्नोतु, सर्वत्र, दुर्गाणि, भद्राणि उत्तराणि-(i) दुर्गाणि (ii) भद्राणि (iii) अवाप्नोतु (iv) सर्वत्र। शब्दार्थाः (Word-meanings Sanskrit to Sanskrit, Hindi and English) शाश्वत:-सनातन:, हमेशा रहने वाला (Eternal)। विभु:-व्यापक:, व्यापक (Wide spread)। शुभाशंसा-शुभकामना, शुभकामना (Goodwishes)। दुर्गाणि-सङ्कटानि, कठिनाइयों को (Difficulties)। संस्कृते भावार्थः (Summary) षण्णाभेर्द्वादशाक्षस्य चतुर्विशतिपर्वणः। यस्त्रिषष्टिशतारस्य वेदार्थं स परः कविः॥1॥ अस्य भावोऽस्ति-यत् षड्ऋतवः एव कालस्य (i) सन्ति। द्वादशमासाः एव तस्य (ii)कल्पन्ते। चतुर्विंशति: पक्षा: एव पर्वाणि कथ्यन्ते। षष्ट्युत्तरत्रिशतानि (iii) एव अराणि सन्ति। य: एतत् सर्वं जानाति स: एव महान् (iv) ****** अस्ति। मञ्जूषा - अक्षरूपेण, विद्वान्, नाभयः, दिनानि उत्तराणि-(i) नाभय: (ii) अक्षरूपेण (iii) दिनानि (iv) विद्वान् सर्वस्तरतु दुर्गाणि, सर्वो भद्राणि पश्यतु। सर्वः कामानवाप्नोतु, सर्वः सर्वत्र नन्दतु॥२॥ (iii) पश्यतु। सर्व: (iv) (कामान्) प्राप्नोतु। सर्व: यत्र कुत्रापि वसेत् तत्र एव प्रसीदेत्। मञ्जूषा - कष्टानि, मंगलानि, मंगलकामना, मनोकामनाः (iv) मनोकामना:। उत्तराणि-(i) मंगलकामना (ii) कष्टानि (iii) मंगलानि सन्धि-विच्छेदः (Disjoin Sandhi) षण्णाभेद्वीदशाक्षस्य – षट् + नाभे: (परसवर्ण सन्धि:) + द्वादश (विसर्ग सन्धि:) + अक्षस्य (दीर्घ सन्धि:)। वंद + अर्थम् (दीर्घ सन्धि:)। षड्ऋतवः - षट् + ऋतवः (जश् सन्धिः)। वेदार्थम्

छ: ऋतुएँ ही मेरी छ: नाभियाँ हैं। बारह महीने ही बारह अक्षों के रूप में गिने जाते हैं। चौबीस पक्ष ही चौबीस पर्व हैं। तीन

```
– षष्टि + उत्तर (यण् सन्धि:)।
     षष्ट्युत्तर
                                                               शुभाशंसा - शुभ + आशंसा (दीर्घ सन्धि:)।
     यस्त्रिषष्टिशतारस्य - यः + त्रिषष्टिशत (विसर्ग सन्धिः) + अरस्य (दीर्घ सन्धिः)।
                     - सर्व: + तरतु (विसर्गं सन्धि:)।
समासाः (Compounds)
     अखण्डः - न खण्डः (नञ् तत्पुरुषः)।
                                                         शुभाशंसा - शुभा आशंसा (कर्मधारय:)।
प्रत्ययः (Suffix)
     अक्षत्वेण
                 - अक्ष + त्व।
प्रश्ना: (Questions)
    (I) एकपदेन उत्तरत-
             (i) अत्र 'मे' पदम् कस्मै प्रयुक्तम्?
                                                 (ii) द्वादशमासाः केन गण्यन्ते?
   (II) पूर्णवाक्येन उत्तरत-
            (i) कालस्य का शुभाशंसा?
                                                 (ii) अत्र कालाय कानि विशेषणानि प्रयुक्तानि?
  (III) भाषिककार्यम्-
             (i) 'अवाप्नोतु' इति पदे का मूलधातु:?
                (क) अवाप्
                                  (ख) अव
                                                        (ग) आप्
                                                                            (घ) अप्
            (ii) 'शुभा आशंसा' इति अनयोः पदयोः विशेषणपदं किम्?
                (क) शुभा
                                   (ख) शुभा:
                                                        (ग) आशंसा
                                                                           (घ) आशंसा:
           (iii) 'मंगलानि' इति अर्थे कि पदं प्रयुक्तम्?
                (क) दुर्गाणि
                                   (ख) कामान्
                                                        (ग) भद्राणि
                                                                            (घ) सुखानि
           (iv) 'परमहम् अखण्ड: शाश्वत: विभु: च' इत्यस्मिन् वाक्ये 'अहम्' पदम् कस्मै प्रयुक्तम्?
                (क) समयाय
                                   (ख) जनाय
                                                        (ग) दिनाय
                                                                           (घ) कालाय
            (v) 'मे' इति पदे का विभक्ति:?
                (क) तृतीया
                                   (ख) षष्ठी
                                                        (ग) चतुर्थी
                                                                            (घ) सप्तमी
 उत्तराणि- (I) (i) कालाय (ii) अक्षत्वेन।
           (II) (i) 'सर्व: दुर्गाणि तस्तु, सर्व: भद्राणि पश्यतु, सर्व: कामान् अवाप्नोतु, सर्व: सर्वत्र नन्दत्' इति कालस्य
                शुभाशंसा। (ii) अत्र कालाय अखण्ड:, शाश्वत:, विभु: च त्रीणि विशेषणानि प्रयुक्तानि।
          (III) (i) (\eta) आप (ii) (\pi) शुभा (iii) (\eta) भद्राणि (iv) (\pi) कालाय (v) (\pi) षष्ठी।
प्रश्निर्माणम् – (i) परः कविः एव मम अर्थं वेति।
                                                                 (ii) षड्ऋतवः एव मे नाभयः।
                (iii) परम् अहम् अखण्डः, शाश्वतः विभुः च अस्मि। (iv) सर्वः कामान् अवाप्नोतु।
उत्तराणि-(i) कीदृश: (ii) कस्य
                                (iii) क: (iv) कान्।
                                       पाठ्यपुस्तकस्य अभ्यासः
                                             ( अनुप्रयोगः )
  1. एकपदेन उत्तरत (मौखिक-अभ्यासार्थम्)
    (क) अस्मिन् पाठे क: वक्ता?
                                                      (च) दिल्ली कस्या: नद्या: तीरे स्थिता?
    (ख) काल: कस्य आयु: गणयति?
                                                      (छ) कालगणनाया: आधार: क:?
    (ग) काल: कथं परिवर्तते?
                                                      (ज) सर्व: किम् तरतु?
    (घ) कस्य आयु: शतं वर्षाणि?
                                                      (झ) सर्व: कुत्र नन्दतु?
    (ङ) कस्य अभिनन्दनसमारोहस्य वर्णनम् अत्र कृतम्?
उत्तराणि-(क) काल:
                             (ख) जगत:
                                                (ग) चक्रवत्
                                                                    (घ) ब्रह्मण:
                                                                                     (ङ) नूतन-संवत्सरस्य
         (च) यमुनाया:
                             (छ) सूर्य:
                                                (ज) दुर्गाणि
                                                                   (झ) सर्वत्र।
```

अधोलिखितानां प्रश्नानाम् एकवाक्येन उत्तर	।। वाचनान् ।
(क) काल: किं किं वीक्षते?	(ख) काल: केषां साक्षी अस्ति?
(ग) महायुगम् केषां समूह:?	(घ) कल्प: केषां समृह:?
(ङ) युगादिपर्व कदा भवति?	(च) युगादिपर्वणि किम् आयोज्यते?
(छ) सङ्कल्पे देशवाचका: (स्थानवाचका:) के	
(ज) सूर्यस्य के गती? तयो: नाम अपि लिखत	
	इति अस्मिन् वाक्ये कालाय कानि विशेषणानि प्रयुक्तानि?
उत्तराणि – (क) काल: भूतं वर्तमानं भविष्यदपि च	
(ख) काल: जगत: उत्पत्ते:, विकासस्य	
(ग) महायुगम् चतुर्णां युगानां समूह:।	
(घ) कल्प: चतुर्दश-मन्वन्तराणां समूह:	1
(ङ) युगादि पर्व नूतनसंवत्सरस्य आरम्भे	
(च) युगादिपर्वणि नूतनसंवत्सरस्य अभिन	
(छ) मङ्लो देशवानकाः (स्थानवानका	:) जम्बूद्वीपे, भारतवर्षे, भरतखण्डे, आर्यावर्तैकदेशे, यमुनातीरे, दिल्लीमण्डले
इत्यादयः शब्दाः आगताः।	., 4 gar, mart, mas o, - mart,
(ज) सूर्यस्य द्वे गती। तयो: नाम उत्तराय	गां दक्षिणायनम् चास्ति।
(झ) एकस्मिन् वर्षे चतुर्विंशतिः पक्षाः ^१	
(ज) ''प्रमुख्य अक्षादः शाष्ट्रतः विशः न	''' इति अस्मिन् वाक्ये कालाय अखण्ड: शाश्वत: विभु: च विशेषणानि प्रयुक्तानि।
3. उदाहरणमनुसृत्य अधोलिखितानां वाक्यानाम्	ा श्री जात्मम् वाक्य काराम जखण्डः सारवतः विनुः च विस्तवनाम प्रमुकतामा
उदाहरणम् —कृतयुगं त्रेतायुगं द्वापरयुगं कलियुग	
युगानि।	Said adult
	कवि सामि
प्रश्न-कृतयुगं त्रेतायुगं द्वापरयुगं कलियुगञ्चेति	
	इाः। (घ) संवत्सरे द्वादश मासाः भवन्ति।
(ख) चतुणा युगाना समूह एवं महायुगम्।	(ङ) चतुर्वश मन्वन्तराणां समूहः कल्पः।
(ग) संवत्सरे षड् ऋतवः भवन्ति।उत्तराणि-(क) कति? (ख) कति? ((च) ब्रह्मण: आयु: शतम् वर्षाणि। (ग) कति? (घ) कति? (ङ) कति? (च) कति?
4. अधोलिखितानाम् कथनानाम् आशयाः विक	ल्परूपेण तत्समक्षमेव लिखिताः सन्ति। तेषु समुचितम् आशयं (🗸)
इति चिह्न कुरुत—	
उदाहरणम्—सततं चक्रवत् परिवर्तमानः	(1) काल: यदा कदा चक्रवत् भ्रमित।
	(2) निरन्तरं भ्रमन् काल: चक्रम् एव।
	(3) काल: चक्रम् इव निरन्तरं गतिशील:। (✔)
(क) विश्वस्य आत्माऽहम्	(1) काल: यत्र तत्र व्याप्त:।
and the second s	(2) काल: संसारस्य आत्मा।
	(3) काल: विश्वस्य निर्माता।
(ख) मम कलनस्य त आधार: सर्य एव	(3) काल: विश्वस्य निर्माता।(1) सर्य एव कालगणनां करोति।
(ख) मम कलनस्य तु आधारः सूर्य एव	(1) सूर्य एव कालगणनां करोति।
(ख) मम कलनस्य तु आधारः सूर्य एव	 (1) सूर्य एव कालगणनां करोति। (2) सूर्यम् विना कालस्य गणना न भवति।
	 (1) सूर्य एव कालगणनां करोति। (2) सूर्यम् विना कालस्य गणना न भवति। (3) सूर्यः अपि कालगणनायाः आधारः।
उत्तराणि−(क) काल: संसारस्य आत्मा। (✔)	 (1) सूर्य एव कालगणनां करोति। (2) सूर्यम् विना कालस्य गणना न भवति। (3) सूर्यः अपि कालगणनायाः आधारः। (ख) सूर्यम् विना कालस्य गणना न भवति। (✔)
उत्तराणि—(क) काल: संसारस्य आत्मा। (🗸) 5. अधोलिखितसंख्यावाचकपदैः रिक्तस्थानानि	 (1) सूर्य एव कालगणनां करोति। (2) सूर्यम् विना कालस्य गणना न भवति। (3) सूर्य: अपि कालगणनाया: आधारः। (ख) सूर्यम् विना कालस्यं गणना न भवति। (✓) पूरयत-
उत्तराणि–(क) काल: संसारस्य आत्मा। (🗸) 5. अधोलिखितसंख्यावाचकपदै: रिक्तस्थानानि सूर्य:*********गती। जगत:	 (1) सूर्य एव कालगणनां करोति। (2) सूर्यम् विना कालस्य गणना न भवति। (3) सूर्यः अपि कालगणनायाः आधारः। (ख) सूर्यम् विना कालस्य गणना न भवति। (✓) पूरवत- स्थतयः सृष्टः, विकासः प्रलयश्च। कालस्य गणनान।
उत्तराणि−(क) काल: संसारस्य आत्मा। (✔) 5. अधोलिखितसंख्यावाचकपदैः रिक्तस्थानानि सूर्य:। सूर्यस्यगती। जगत: एकस्मिन् वर्षेनाभय:। एकस्मिन् दिवः	(1) सूर्य एव कालगणनां करोति। (2) सूर्यम् विना कालस्य गणना न भवति। (3) सूर्यः अपि कालगणनायाः आधारः। (ख) सूर्यम् विना कालस्य गणना न भवति। (✔) पूरयत— "स्थितयः सृष्टिः, विकासः प्रलयश्च। कालस्य "युगानि। से "प्रहराः। संवत्सरे "मासाः। मन्वन्तरे "महायुगानि।
उत्तराणि—(क) काल: संसारस्य आत्मा। (🗸) 5. अधोलिखितसंख्यावाचकपदैः रिक्तस्थानानि सूर्यः	(1) सूर्य एव कालगणनां करोति। (2) सूर्यम् विना कालस्य गणना न भवति। (3) सूर्यः अपि कालगणनायाः आधारः। (ख) सूर्यम् विना कालस्य गणना न भवति। (✔) पूरवत— "स्थतयः सृष्टिः, विकासः प्रलयश्च। कालस्य युगानि। से प्रहराः। संवत्सरे मासाः। मन्वन्तरे महायुगानि। इणः आयुः।
उत्तराणि—(क) काल: संसारस्य आत्मा। (🗸) 5. अधोलिखितसंख्यावाचकपदैः रिक्तस्थानानि सूर्यः। सूर्यस्यगती। जगतः एकस्मिन् वर्षेनाभयः। एकस्मिन् दिवः	(1) सूर्य एव कालगणनां करोति। (2) सूर्यम् विना कालस्य गणना न भवति। (3) सूर्यः अपि कालगणनायाः आधारः। (ख) सूर्यम् विना कालस्य गणना न भवति। (✓) पूरयत— स्थितयः सृष्टिः, विकासः प्रलयश्च। कालस्य युगानि। से पहराः। संवत्सरे मासाः। मन्वन्तरे महायुगानि। द्वाणः आयुः। चत्वारि, एकसप्तितः, चतुर्दश)

यथा—मासे द्वौ पक्षौ भवतः शुक्लः कृष्णः च।	(✔)
(क) चन्द्रस्य द्वे अयने भवत:।	()
(ख) एकस्मिन् वर्षे द्वादशपक्षाः भवन्ति।	()
(ग) नूतनः संवत्सरः चैत्रमासस्य शुक्लपक्षस्य प्रतिपद	_{शयाः} प्रारम्भते। ()
(घ) एकस्मिन् दिने अष्टप्रहरा: भवन्ति।	()
(ङ) संवत्सरे षड् ऋतवः भवन्ति।	. ()
(च) प्रत्येकम् अयने अष्टमासाः भवन्ति।	()
(छ) चैत्रमासे सूर्य: उत्तरायण: भवति।	()
(ज) कृष्णपक्षे अमावस्या भवति।	()
उत्तराणि-(क) × (ख) × (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✓	∕ (च) × (छ) √ (ज) √।
 सङ्कल्पं पठित्वा रिक्तस्थानपूर्तिः क्रियताम्। 	
यथा-इदानीम् ब्रह्मणः द्वितीयपरार्धः प्रचलति।	0 20
(क) इदानीम्कल्पः।	(ङ) द्वीपस्य नामः।
(ख) मन्वन्तरस्य नाम'''''अस्ति।	(च) देशस्य नामः
(ग) अयम्किलयुगः।	(छ) दिल्ली नहाः तीरे वर्तते।
(घ) संवत्सरस्य नाम	(-)
उत्तराणि- (क) श्वेतवाराहः (ख) वैवस्वत	(ग) अष्टाविशतितमः (घ) नन्दनः
(ङ) जम्बू:	(छ) यमुनाया:।
8. अधोलिखितानि उत्तरोत्तरक्रमेण लिखत-	50000 UUU •
यथा —दिवस:, मास:, पक्ष:, वर्षम्—्दिवस:, पक्ष:, म	ासः, वर्षम्।
1. द्वापरम्, कृतयुगम्, कलियुगम्, त्रेता।	2. मन्वतन्त्म्, महायुगम्, कल्पः, ब्रह्मणः एकं दिन
3. चतुर्थी, प्रतिपदा, त्रयोदशी, अष्टमी।	4. वर्षा, वसन्त:, ग्रीष्म:, हेमन्त:।
5. आषाढ:, चैत्र:, ज्येष्ठ:, वैशाख:।	्र करणाया सम्बद्धाः सम्बद्धाः सक्षे दिसा
उत्तराणि— 1. कृतयुगम्, त्रेता, द्वापरम्, कलियुगम्।	 महायुगम्, मन्वन्तरम्, कल्पः, ब्रह्मणः एकं दिनम् अस्तरम् गीयाः, वर्षा देगन्तः।
3. प्रतिपदा, चतुर्धी, अष्टमी, त्रयोदशी।	4. वसन्तः, ग्रीष्मः, वर्षा, हेमन्तः।
5. चैत्र:, वैशाख:, ज्येष्ठ:, आषाढ:।	212 A N
 अधोवत्तानि सर्वनामपदानि सन्ति। एतेभ्यः उचितं । 	पदं चित्वा रिक्तस्थानपूर्तिः क्रियताम्–
अहम्, इदम्, यूयम्, मम, एषा, अस्या:, सर्व:।	34
यथा-अहम् कलयामि जगतः आयुः प्रमाणम्।	
(क) """कलनस्य आधारः सूर्य एव।	
(ख) ''''''''''''''''''''''''थृणुत ध्यानेन।	AND
(ग) ""जगत् पुनः पुनः जायते विल	गीयते च।
(घ) कीदृशीविचित्रा सृष्टिः।	100 Personal Ant P 100
(ङ)सृष्टे: विकासं प्रलयं च काल	
(च) अद्य युगादिपर्वणि कामान् अ	
उत्तराणि-(क) मम (ख) यूयम् (ग) इद	म् (घ) एषा (ङ) अस्याः (च) सर्
10. अधोलिखितानि अव्ययपदानि स्थूलपदानां स्थाने ए	्व प्रयुज्यन्ताम् यन अथभदः न स्यात्–
भूयो भूय:, सदा, अधुना, निरन्तरम्।	
(क) सततम् कालः चक्रवत् परिवर्तमानः अस्ति।	(ख) इदानीम् कलियुगस्य प्रथम: चरण: अस्ति। (घ) पुन: पुन: जगत् जायते विलीयते च।
(ग) सर्वदा शुभकार्यं सङ्कल्पेन प्रारब्धव्यम्।	

मध्य रचने नम्पूर्ण सम्ब	ाङ्कत कुरुत− 		
यथा उत्पत्तेः चतुर्णाम्, युष्मा	कम्, <u>ऋतवः</u> जगतः।		
(क) पर्वणि, दुर्गाणि, मन्वन			
(ख) अहम्, सङ्कल्पवाचनम्,			
(ग) दक्षिणायने, दिवसे, ध्य			
उत्तराणि-(क) दुर्गाणि (ख) अ			
12. अधः केषाञ्चित् समस्तपद	ानां विग्रहाः समासनामानि '	च निर्दिष्टानि। पाठात् चि	चा प्रत्येकं विग्रहस
समस्तपदम् लिखत-			
विग्रह:		समस्तपदम्	समासनाम
यथा एकम् एकम् प्रति		प्रत्येकम्	अव्ययीभाव:
(क) शंखस्य ध्वनिः		***************************************	षष्ठी तत्पुरुष:
(ख) अभिनन्दनस्य समारोहः		***************************************	षष्ठी तत्पुरुष:
(ग) यमुनाया: तीरे		***************************************	षष्ठी तत्पुरुष:
(घ) महत् च तत् युगम्	动	***************************************	कर्मधारय:
(ङ) मङ्गलं च तत् कार्यम्		***************************************	कर्मधारय:
(च) चित्रानक्षत्रेण युता			तृतीया तत्पुरुष:
(घ) सङ्कल्पस्य वाचनम्		••••••	षष्ठी तत्पुरुष:
उत्तराणि—(क) शंखध्वनि:	(ख) अभिनन्दन समारोह:	(ग) यमुनातीरे	(घ) महायुगम्
(ङ) मङ्गलकार्यम्	(च) चित्रानक्षत्रयुता	(छ) सङ्कल्पवाचनम्।	Parison, Name and
13. अधः शानच् प्रत्ययान्तपदानि	त सन्ति। तेषाम प्रकृतिः निर्दे		
पदम्		प्रकृति:	
यथा परिवर्तमान:		परि + वृत्	
विद्यमान:		54	
वीक्षमाण:			
वर्तमान:			
उत्तराणि $-(i)$ विद्	(ii) वि + ईक्ष्	(iii) वृत्।	
14. अधोलिखितपदेषु यद् उत्तर	पदम् अस्ति तत् लिखत-		
यथा दक्षिणायनम् = अय			
द्वादशाक्षस्य = अध			
530 E. B.			
वसन्ततौ = ''''			
वसन्तता =			
प्रत्येकम् = ''''	,		
प्रत्येकम् = ''''' उत्तराणि – अयन, ऋतु, एक।		वा लिखन—	
प्रत्येकम् = **** उत्तराणि – अयन, ऋतु, एक। 15. अथोलिखितपदानां विपरीता			
प्रत्येकम् = **** उत्तराणि – अयन, ऋतु, एक। 15. अधोलिखितपदानां विपरीता यथा – भूतम्		वा लिखत— वर्तमानम्	
प्रत्येकम् = **** उत्तराणि – अयन, ऋतु, एक। 15. अथोलिखितपदानां विपरीता यथा – भूतम् (क) उत्पत्तेः			
प्रत्येकम् = **** उत्तराणि – अयन, ऋतु, एक। 15. अथोलिखितपदानां विपरीता यथा – भूतम् (क) उत्पत्तेः (ख) जायते			i i
प्रत्येकम् = **** उत्तराणि – अयन, ऋतु, एक। 15. अधोलिखितपदानां विपरीता यथा – भूतम् (क) उत्पत्ते: (ख) जायते (ग) प्राचीन:			100 101
प्रत्येकम् = **** उत्तराणि – अयन, ऋतु, एक। 15. अधोलिखितपदानां विपरीता यथा – भूतम् (क) उत्पत्तेः (ख) जायते (ग) प्राचीनः (घ) कलियुगम्			
प्रत्येकम् = **** उत्तराणि – अयन, ऋतु, एक। 15. अधोलिखितपदानां विपरीता यथा – भूतम् (क) उत्पत्ते: (ख) जायते (ग) प्राचीन:		वर्तमानम्	

गतिविधिय:

1. विजयदशमी 2. जन्माष्टमी 3. वाल्मीकिजयन्ती 4. रीपाविलः 5. रक्षाबन्धनम् 8. क्रिसमस्-दिवसः 9. होलिकोत्सवः 10. रामनवमी 11. गुकनानकजयन्ती (गुरुपर्व) स्राणि पर्वनाम मासः पञ्चः तिश्वः 1. विजयदशमी आश्विनमासे गुस्तपक्षे दशस्याम् 3. वाल्मीकिजयन्ती आश्विनमासे कृष्णपक्षे अष्टम्याम् 4. रीपाविलः कार्तिकमासे कृष्णपक्षे अमावस्यायाम् 5. रक्षाबन्धनम् श्रवणमासे गुस्तपक्षे पृणिमायाम् 6. रविदासजयन्ती आश्विनमासे गुस्तपक्षे पृणिमायाम् 7. बुद्धपूर्णिमा वैशाखमासे गुस्तपक्षे पृणिमायाम् 8. क्रिसमस्-दिवसः प्रीषमासे गुस्तपक्षे पृणिमायाम् 7. बुद्धपूर्णिमा वैशाखमासे गुस्तपक्षे पृणिमायाम् 8. क्रिसमस्-दिवसः प्रीषमासे कृष्णपक्षे पृणिमायाम् 9. होलिकोत्सवः फाल्गुनमासे गुस्तपक्षे पृणिमायाम् 10. रामनवमी गुस्तपक्षे पृणिमायाम् 11. गुकनाकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे गुस्तपक्षे पृणिमायाम् 2. युपादिपर्यं कदा भवति इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्याः बालिकायाः जन्मदिवसः 'राम् इति विवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु वेशकालवायकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यिति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीय परार्थे () 1. स्वेतवागहकल्पे () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. कलियुगे प्रथमे चरणे () 4. जन्दृद्वीपे () 5. पूर्योत्तरायणे () 6. वैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम्	1. विजयदशर्मी 2. जन्माष्ट्रमी 3. वाल्मीकिजयन्ती 4. दीपाविल: 5. रक्षाबन्धनम् 6. रविदासजयन्ती 7. बुद्धपूर्णमा 8. क्रिसमस्-रिवसः 9. डॉलिकोत्सवः 10. रामनवमी 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) रर्गाण- पर्वनाम माध्यः पक्षः तिश्वः 2. जन्माष्ट्रमी आश्वनमासे गुक्लपक्षे अष्ट्रम्याम् 3. वाल्मीकिजयन्ती आश्वनमासे कृष्णपक्षे अष्ट्रम्याम् 4. दीपाविलः कार्तिकमासे कृष्णपक्षे अष्ट्रम्याम् 5. रक्षाबन्धनम् श्रावणमासे गुक्लपक्षे अमावस्यायाम् 4. दीपाविलः कार्तिकमासे कृष्णपक्षे अमावस्यायाम् 5. रक्षाबन्धनम् श्रावणमासे गुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 6. रविदासज्यन्ती माध्यमसे गुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 7. बुद्धपूर्णमा वैशाखमासे गुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 8. क्रिसमस्-रिवसः पौषमासे कृष्णपक्षे पूर्णमायाम् 9. डॉलिकोत्सवः पौषमासे कृष्णपक्षे पूर्णमायाम् 10. रामनवमी वैत्रासासे गुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे गुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 12. सुगाविपर्व कदा भवति इति सङ्कल्ये ज्ञातमेवा विल्लीनगरे 'अम्बातिका' नाम्यः बालिकायः जनस्विवसः 'रामव् इति विवसे आयोज्यते। अयोलिखितेषु देशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्थे () 1. रवेतवाराइकल्पं () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. कलियुगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बुद्वीपे () 5. सूर्योतरायणे () 6. वैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथ्ये () 8. गुरुव्यासे () 9. आदित्यः नाम अहम् (राणि-1. न भविष्यति 2. न भविष्यति 3. न भविष्यति 4. न भविष्यति 5. न भविष्यति 6. न भविष्यति 7. भविष्यति 8. भविष्यति 9. भविष्यति	पर्वनाम	मासः	पक्षः	तिथि:
2. जन्माष्टमी 3. वाल्मीकिजयन्ती 4. रीपावलिः 5. रक्षाबन्धनम् 6. रविदासजयन्ती 7. बुद्धपूर्णिम 8. क्रिसमस्-िरवसः 9. होलिकोत्सवः 10. रामनवमी 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) रागि — पर्वनाम 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) रागि — पर्वनाम 11. विजयरशमी 12. जन्माष्टमी 13. वाल्मीकिजयन्ती 14. रीपावलिः 15. रक्षाबन्धनम् 16. रीवन्धम्मम् 17. बुद्धपूर्णिम् 18. क्रिसमस्-िरवसः 19. होलिकोत्सवः 10. रामनवमी 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) राष्ट्रमासे 10. रामनवमी 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) राष्ट्रमासे 10. रामनवमी 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) राष्ट्रमासे 11. गुरुनापक्षे पूर्णमायाम् पूर्णमायाम् ११ अत्रव्यास्यम्	2. जन्माष्टमी 3. वाल्मीकिजयन्ती 4. रीपावलिः 5. रक्षाबन्धनम् 6. रविदासजयन्ती 7. बुद्धपूर्णमा 8. क्रिसमस्-दिवसः 9. हॉलिकोस्सवः 10. रामनवमी 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) राणि पर्वनाम 11. गुरुनामः 2. जन्माष्टमी भारप्रसासे कृष्णपक्षे प्रहारथाम् 3. वाल्मीकिजयन्ती आश्विनमासे सृक्ष्णपक्षे एकारश्याम् 4. रीपावलिः कार्तिकमासे सृक्ष्णपक्षे प्रहारथाम् 5. रक्षाबन्धनम् श्रावणमासे गृक्ष्णपक्षे प्रणायाम् 6. रविदासजयन्ती आश्विनमासे गृक्ष्णपक्षे प्रहारथाम् 7. बुद्धपूर्णमा वैशाखमासे गृक्ष्णपक्षे प्रणायाम् पूर्णमायाम् 8. क्रिसमस्-दिवसः पौषमासे गृक्ष्णपक्षे पूर्णमायाम् 9. होलिकोस्यवः फाल्गुनमासे गृक्ष्णपक्षे पूर्णमायाम् 10. रामनवमी चैत्रमासे कृष्णपक्षे पूर्णमायाम् 11. गुरुनाकजयन्ती (गृरुपर्व) कार्तिकमासे गृक्ष्णपक्षे पूर्णमायाम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गृरुपर्व) कार्तिकमासे गृक्ष्णपक्षे पूर्णमायाम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गृरुपर्व) कार्तिकमासे गृक्ष्यपक्षे पूर्णमायाम् 11. गुरुनाककजयन्ती (गृरुपर्व) कार्तिकमासे गृक्ष्यपक्षे पूर्णमायाम् 11. गुरुनाककजयन्ती (गृरुपर्व) कार्तिकमासे गृक्ष्यपक्षे पूर्णमायाम् 11. गुरुनाकजवयन्ती (गृरुपर्व) कार्तिकमासे गृक्ष्यपक्षे प्रविद्यता व्याम् पूर्णमायाम् 11. गुरुनाककजयन्ती (गृरुपर्व) कार्तिकमासे गृक्ष्यपक्षे प्रविद्यता व्याम् पूर्णमायाम् 11. गुरुनावस्यक्षे प्रविद्यति () 2. भारतवर्षे भरतव्यप्रवे भरतव्यप्रवे भरतव्यप्रवे () 3. कलियुगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बुद्वोपे () 5. सूर्योत्तरायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपरायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम् () 1. ग्रिवप्रते 2. न भविष्यति 3. न भविष्यति 4. न भविष्यति 5. न भविष्यति 6. न भविष्यति 7. भविष्यति 8. भविष्यति 9. भविष्यति	1. विजयदशमी	***************************************		
4. दीपाविल: 5. रक्षाबन्धनम् 6. रिवदासजयन्ती 7. बुद्धपूर्णिमा 8. क्रिसमस्-दिवसः 9. होलिकोत्सवः 10. रामनवमी 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) राणि — पर्वनाम 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) राणि — पर्वनाम 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) सासः 1. विजयदशमी आश्वनमासे शुक्लपक्षे दशान्याम् 2. जन्माष्टमी भारप्रपत्मासे कृष्णपक्षे अध्यन्याम् 4. दीपाविलः कार्तिकमासे कृष्णपक्षे अमावस्यायाम् 5. रक्षाबन्धनम् श्रावणमासे शुक्लपक्षे प्रभारस्याम् 6. रिवदासजयन्ती आश्वनमासे शुक्लपक्षे प्रभारस्याम् 7. बुद्धपूर्णिमा वैशाखमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 8. क्रिसमस्-दिवसः पीषमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 9. होलिकोत्सवः फाल्गुनमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 10. रामनवमी चैत्रमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 12. युमाविपर्व कवा भवित इति सङ्कल्ये ज्ञातमेव। विल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्याः बालिकायाः जन्मविवसः 'राम् इति विवसे आयोज्यते। अधीलिखितेषु वेशकालवाचकेषु शब्बेषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीये पर्गर्थ () 1. रवेतवागहरूत्वे () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. कलियुने प्रथमे चरणे () 4. जम्बुद्धीपे () 5. सूर्गोत्तरार्यणे () 6. वैजमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिव्यौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम्	4. रीपाविल: 5. रक्षाबन्धनम् 6. रविदासजयनी 7. बुद्धपूर्णिमा 8. क्रिसमस्-रिवसः 9. डोलिकोत्सवः 10. रामनवमी 11. गुरुनानकजयनी (गुरुपर्व) राणि — पर्वनाम 11. गुरुनानकजयनी (गुरुपर्व) राणि — पर्वनाम 12. जन्माष्टमी आहिवनमासे कृष्णपक्षे उम्रध्याम् 2. जन्माष्टमी भाइपरमासे कृष्णपक्षे उम्रध्याम् 4. दीपाविलः कार्तिकमासे कृष्णपक्षे उम्रावस्यायाम् 5. रक्षाबन्धनम् श्रावणमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 6. रविदासजयनी माधमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 7. बुद्धपूर्णमा वैशाखमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 8. क्रिसमस्-रिवसः पौषमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 9. डोलिकोत्सवः फाल्गुनमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 10. रामनवमी चैत्रमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 11. गुरुनानकजयनी (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 11. गुरुनानकजयनी (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 12. स्प्राविपर्व कदा भवति इति सङ्कल्ये झात्मेव। विल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्न्याः बालिकायाः जन्मविवसः 'रामव्य इति विवसे आयोग्यते। अयोलिखितेषु वेशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीय परार्थे () 1. रवेतवायहकल्पे () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. कलियुगे प्रथमे चरणे () 4. जान्बुद्वीपे () 5. स्प्रातिरायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रविषयति 2. न भविष्यति 3. न भविष्यति 4. न भविष्यति 5. न भविष्यति 6. न भविष्यति 7. भविष्यति 8. भविष्यति 9. भविष्यति	2. जन्माष्टमी	***************************************		
4. दीपार्वालः 5. रक्षाबन्धनम् 6. रिवदासजयन्ती 7. बुद्धपूर्णमा 8. क्रिसमस्-दिवसः 9. होतिकोत्सवः 10. रामनवमी 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) राणि पर्वनाम 12. जन्माष्टमी भाग्नपरमासे कृष्णपक्षे उच्चन्यमम् 13. वाल्मीकिजयन्ती आश्विनमासे कृष्णपक्षे उच्चन्यमम् 14. दीपार्वालः कार्तिकमासे कृष्णपक्षे अम्यवस्याम् 15. रक्षाबन्धनम् श्रावणमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 16. रिवदासजयन्ती माधमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 17. बुद्धपूर्णमा वैशाखमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 18. क्रिसमस्-दिवसः पीषमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 19. होतिकोत्सवः फाल्गुनमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 10. रामनवमी चैत्रमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 12. युगाविपर्व कदा भवति इति सङ्कल्ये ज्ञातकेवा विल्लीनगरे 'अम्बात्मिका' नाम्चाः वालिकायाः जन्मविवसः 'राम् इति विवसे आयोज्यते। अधीलिखितेषु वेशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् पविष्यति न वा इति लिखत— 2. युगाविपर्व कदा भवति इति सङ्कल्ये ज्ञातकेवा विल्लीनगरे 'अम्बात्मिका' नाम्चाः वालिकायाः जन्मविवसः 'राम् इति विवसे आयोज्यते। अधीलिखितेषु वेशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् पविष्यति न वा इति लिखत— 2. युगाविपर्व करा भवति इति सङ्कल्ये ज्ञातकेवा विल्लीनगरे 'अम्बात्मिका' नाम्चाः वालिकायाः जन्मविवसः 'राम इति विवसे आयोज्यते। अधीलिखितेषु वेशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् पविष्यति न वा इति लिखत— 2. युगाविपर्व करा भवति इति सङ्कल्ये ज्ञातकेवा विल्लीनगरे (अम्बातिका' न मान्याः वालिकायाः जन्मविवसः 'राम इति विवसे अपोण्याने। अधीलिखतेषु वेशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् पविष्यति न वा इति लिखत— 2. प्रात्ववाग्यके () 2. प्रात्ववाग्ये परार्वे () 3. कल्पुगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बुगे परार्वे () 5. सूर्वोत्वायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपरायम् विष्ये () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम्	4. दीपाविल: 5. रक्षाबन्धनम् 6. रविदासजयन्ती 7. बुद्धपूर्णिमा 8. क्रिसमस्-दिवसः 9. होलिकोत्थवः 10. रामनवमी 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) रारिण- पर्वनाम मासः पक्षः तिथः 2. जन्माष्टमी भाद्रपदमासे कृष्णपक्षे उज्ञष्टम्याम् 3. वाल्मीकिजयन्ती आश्विनमासे कृष्णपक्षे उज्ञष्टम्याम् 4. दीपाविलः कार्तिकमासे कृष्णपक्षे प्रकारश्याम् 5. रक्षाबन्धनम् श्रावणमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 6. रविदासजयन्ती माधमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 7. बुद्धपूर्णामा वैशाखमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 8. क्रिसमस्-दिवसः पीषमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 9. होलिकोत्सवः फाल्गुनमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 10. रामनवमी वैत्रमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 12. युमाविपर्व कदा भवति इति सङ्कल्पे ज्ञातिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 12. युमाविपर्व कदा भवति इति सङ्कल्पे ज्ञातिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 12. युमाविपर्व कदा भवति इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्याः बालिकायाः जम्मविवसः 'रामव्य इति विवसे आयोग्यते। अयोलिखितेषु देशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीय परार्घ (न भविष्यति) 1. श्वेतवारावकत्पे () 2. भारतवर्षे भत्तव्यणे () 3. कल्तियुगे प्रथमे चरणे () 4. जन्बुद्वीपे () 5. सूर्योत्तरायाम् तिथौ () 6. वैत्रमासे () 7. प्रतिपरायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम् (रारिण्वित 3. न भविष्यति 4. न भविष्यति 5. न भविष्यति	3. वाल्मीकिजयन्ती	***************************************		
5. रक्षाबन्धनम् 6. रिवदासजयन्ती 7. बुद्धपूर्णमा 8. क्रिसमस्-विवसः 9. होलिकोत्सवः	5. रक्षाबन्धनम् 6. रिवदासजयन्ती 7. बुद्धपूर्णमा		***************************************	***************************************	***************************************
6. रविदासजयन्ती 7. बुद्धपूर्णिमा 8. क्रियमस्-दिवसः 9. होलिकोत्सवः 10. रामनवमी 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) रराणि— पर्वनाम मासः पक्षः तिश्वः 1. विजयदशमी आश्वनमासे शुक्लपक्षे दशम्याम् 2. जन्माष्टमी माद्रपदमासे कृष्णपक्षे अष्टम्याम् 3. वाल्मीकिजयन्ती आश्विनमासे कृष्णपक्षे अष्टम्याम् 4. दीपाविलः कार्तिकमासे शृक्लपक्षे प्रकादश्याम् 5. रक्षाबन्धनम् श्रावणमासे शृक्लपक्षे पूर्णमायाम् 6. रविदासजयन्ती माधमासे शृक्लपक्षे पूर्णमायाम् 7. बुद्धपूर्णमा वैशाखमासे शृक्लपक्षे पूर्णमायाम् 8. क्रिसमस्-दिवसः पौषमासे शृक्लपक्षे पूर्णमायाम् 9. होलिकोत्सवः फाल्गुनमासे शृक्लपक्षे पूर्णमायाम् 10. रामनवमी वैत्रमासे शृक्लपक्षे पूर्णमायाम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शृक्लपक्षे पूर्णमायाम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शृक्लपक्षे पूर्णमायाम् 12. युगाविपर्व कवा भवति इति सङ्कल्पे ज्ञातमेवा दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्न्याः बालिकायाः जन्मदिवसः 'राम् इति विवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु वेशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्थे () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. कलियुगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बूद्वीपे () 5. सूर्योत्तरायणे () 6. वैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथ्री 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम्	6. रिवदासजयनी 7. बुद्धपूर्णमा 8. क्रिसमस्-रिवसः 9. होलिकोत्सवः 10. रामनवमी 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) सासः 1. विजयदशमी 2. जन्माष्टमी 3. वाल्मीकिजयन्ती 3. वाल्मीकिजयन्ती 4. रीपाविलः 5. रक्षावन्थनम् श्रावणमासे गुक्लपक्षे प्रकारश्याम् 5. रक्षावन्थनम् श्रावणमासे गुक्लपक्षे प्रकारश्याम् 6. रविदासजयन्ती आश्वनमासे गुक्लपक्षे प्रकारश्याम् 7. बुद्धपूर्णमा वैशाखमासे गुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 7. बुद्धपूर्णमा वैशाखमासे गुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 8. क्रिसमस्-रिवसः पौषमासे गुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 9. होलिकोत्सवः फाल्गुनमासे गुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 10. रामनवमी चैत्रमासे गुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे गुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे गुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे गुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 12. सुगाविषर्व कदा भवति इति सङ्कूल्ये ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अध्वालिका' नाम्चाः बालिकायाः जन्मविवसः 'रामव् इति विवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु वेशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीय परार्थे () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. कलियुगे प्रथमे चरणे () 4. जाब्द्वीपे () 5. सूर्गेतरायणे () 6. वैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम् () 1700-1. न भविष्यति 2. न भविष्यति 3. न भविष्यति 4. न भविष्यति 5. न भविष्यति 6. न भविष्यति 7. भविष्यति 8. भविष्यति 9. भविष्यति 1.				
7. बुद्धपूर्णिमा 8. क्रिसमस्-िदवस: 9. होलिकोत्सव: 10. रामनवमी 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) राणि पर्वनाम 11. विजयदशमी 12. जन्माष्टमी 13. वाल्मीिकजयन्ती 14. पैपाविल: 15. रक्षाबन्धनममे 15. रक्षाबन्धनममे 16. रविवासजयन्ती 17. बुद्धपूर्णिमा 18. क्रिक्समम् अग्रवणमासे 19. होलिकोत्सव: 19. होलिकोत्सव: 19. होलिकोत्सव: 19. होलिकोत्सव: 19. होलिकोत्सव: 19. होलिकोत्सव: 10. रामनवमी 10. रामनवमी 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) 12. सुमाविपर्व कदा भवित इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्याः बालिकायाः जन्मदिवसः 'राम इति दिवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु देशकालवाच्येषु प्रव्यंत्तम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितेये परार्ध 11. एक्ताव्यमे प्रवर्ण () 12. भारतवर्षे भरतखण्डे 13. किलयुगे प्रथमे चरणे 14. जम्बुद्धोपे 15. पूर्वोत्तरायणे 16. चैत्रमासे 17. प्रतिपदायाम् तिथौ 18. गुरुवासरे 19. आदित्य: नाम अहम्	7. बुद्धपूर्णिमा 8. क्रिसमस्-दिवसः 9. होलिकोत्सवः 10. रामनवमी 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) गाराणि— पर्वनाम 11. जुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) गाराणि— पर्वनाम 11. जुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) गाराणि— पर्वनाम 11. जुरुनानकजयन्ती 12. जन्माच्मी भारपदमासे कृष्णपक्षे उष्टाच्याम् 13. वाल्मीकिजयन्ती आश्विनमासे कृष्णपक्षे अघटाच्याम् 14. दीपाविलः कार्तिकमासे कृष्णपक्षे अमावस्यायाम् 15. रक्षाबन्धनम् श्रावणमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 16. रविदासजयन्ती माघमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 17. बुद्धपूर्णिमा वैशाखमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 18. क्रिसमस्-दिवसः पौषमासे कृष्णपक्षे 25 दिसम्बरे 19. होलिकोत्सवः फाल्गुनमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 10. रामनवमी वैत्रमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 12. युगाविपर्व करा भवति इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। विल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्याः बाल्कायाः जन्मविवसः 'रामव् इति विवसे आयोज्यते अधोलिखितेषु वेशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्थे () 1. श्वेतवाराहकल्पे () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. कलियुगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बूद्वोपे () 5. सूर्योतपायणे () 6. चेत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम् () 1राणि—1. न भविष्यति 2. न भविष्यति 3. न भविष्यति 4. न भविष्यति 5. न भविष्यति 6. न भविष्यति 7. भविष्यति 8. भविष्यति 9. भविष्यति।		••••••		
8. क्रिंसमस्-िदवसः 9. होलिकोत्सवः 10. रामनवमी 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) 11. वजयदशमी 12. जन्माष्टमी 13. वाल्मीकिजयन्ती 14. वीपाविलः 15. रक्षाबन्धनमसे 15. रक्षाबन्धनमसे 16. रविवासजयन्ती 17. बुद्धपूर्णमा 18. क्रिंसम्बर्भ 19. होलिकोत्सवः 10. रामनवमी 10. रामनवमी 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) 12. युमाविपर्व कदा भवित इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्याः बालिकायाः जन्मदिवसः 'राम इति दिवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु देशकालवाच्येषषु प्राच्चाम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितेये परार्धे 11. एवतवारहकल्पे 12. पारतवर्षे भरतखण्डे 13. कलियुगे प्रथमे चरणे 14. जम्बुद्धोपे 15. पूर्वोत्तरायणे 16. चेत्रमासे 17. प्रतिपदायाम् तिथौ 18. गुरुवासरे 19. आदित्यः नाम अहम्	8. क्रिसमस्-दिवसः 9. होलिकोत्सवः 10. रामनवमी 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) गारिण पर्वनाम मासः पक्षः तिथिः 1. विजयदशमी आश्वनमासे कृष्णपक्षे दशम्याम् 2. जन्माच्मी भादपदमासे कृष्णपक्षे अघ्टम्याम् 4. दीपाविलः कार्तिकमासे कृष्णपक्षे अमावस्यायाम् 5. रक्षाबन्धनम् श्रावणमासे शृक्लपक्षे पृणिमायाम् 6. रविदासजयन्ती माघमासे शृक्लपक्षे पृणिमायाम् 7. बुद्धपूर्णिमा वैशाखमासे शृक्लपक्षे पृणिमायाम् 8. क्रिसमस्-दिवसः पौषमासे शृक्लपक्षे पृणिमायाम् 9. होलिकोत्सवः फाल्गुनमासे शृक्लपक्षे पृणिमायाम् 10. रामनवमी वैत्रमासे शृक्लपक्षे पृणिमायाम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शृक्लपक्षे पृणिमायाम् 12. युगाविपर्व कदा भवति इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। विल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्याः बालिकायाः जन्मविवसः 'रामव् इति विवसे आयोज्यते अधोलिखितेषु वेशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्थे () 1. श्वेतवाराडकल्पे () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. कलियुगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बृद्वीपे () 5. सूर्योतपायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम् () 1राणि—1. न भविष्यति 2. न भविष्यति 3. न भविष्यति 4. न भविष्यति 5. न भविष्यति 6. न भविष्यति 7. भविष्यति 8. भविष्यति 9. भविष्यति	235 h 25 1650W	***************************************		
9. होलिकोत्सव: 10. रामनवमी 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) राराणि - पर्वनाम मास: पक्ष: तिथि: 1. विजयदशमी आश्वितमासे शृक्लपक्षे दशम्याम् 2. जन्माष्टमी भाद्रपदमासे कृष्णपक्षे अष्टम्याम् 3. वाल्मीकिजयन्ती आश्वितमासे कृष्णपक्षे अमावस्यायाम् 4. दीपाविल: कार्तिकमासे कृष्णपक्षे अमावस्यायाम् 5. रक्षाबन्धनम् श्रावणमासे शृक्लपक्षे पृणिमायाम् 6. रविदासजयन्ती माध्मासे शृक्लपक्षे पृणिमायाम् 7. बुद्धपूर्णमा वैशाखमासे शृक्लपक्षे पृणिमायाम् 8. क्रिसमस्-{दिवस: पौषमासे शृक्लपक्षे पृणिमायाम् 9. होलिकोत्सव: फाल्गुनमासे शृक्लपक्षे पृणिमायाम् 10. रामनवमी चैत्रमासे शृक्लपक्षे पृणिमायाम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शृक्लपक्षे पृणिमायाम् 12. युगाविपर्व कदा भवति इति सङ्कल्ये ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्याः बालिकायाः जन्मविवसः 'राम इति विवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु देशकालवाचकेषु शृक्लपक्षे () () 2. भारतवर्व भरतव्यक्षे () () ()	9. होलिकोत्सव: 10. रामनवमी 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) 17. पर्वनाम 11. विजयदशमी 11. विजयदशमी 11. विजयदशमी 12. जन्माष्टमी 13. वाल्मीकिजयन्ती 14. दोपाविल: 15. रक्षाबन्धनम् अार्थवनमासे 15. रक्षाबन्धनम् अार्थवनमासे 16. रविदासजयन्ती 17. वुडपूर्णिमा 18. क्रिजमासे 19. होलिकोत्सव: 19. होलिकोत्सव: 10. रामनवमी 11. गुरुनानकजयन्ती 11. गुरुनानकजयन्ती 12. पुमाविपर्व कदा भवित इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्चाः बालिकायाः जन्मविवसः 'रामव इति विवसे आयोज्यते। अघोलिखितेषु देशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति त वा इति लिखत— 18. व्या ब्रह्मणः द्वितो परार्घ 10. रामनवमी 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे 12. युगाविपर्व कदा भवित इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्चाः बालिकायाः जन्मविवसः 'रामव इति विवसे आयोज्यते। अघोलिखितेषु देशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— 18. व्यंताताहकल्पे 19. भारतवर्ष भरतखण्डे 10. स्वत्वारहकल्पे 10. रामनवर्मा 11. प्रतिपदायाम् विष्यै 12. प्रतिपदायाम् विष्यै 13. कलियुगे प्रथमे चरणे 14. जन्बुद्वीपे 15. सूर्योत्तरायणे 16. चैत्रमासे 17. प्रतिपदायाम् विष्यै 18. गुरुवासरे 19. आदित्यः नाम अहम् 17. प्रविष्यति 10. प्रवर्याम् प्रविष्यति 10. प्रवर्याम् प्रवर्याम् प्रवर्याम् प्रवर्याम् प्रवर्याम् प्रवर्याम् प्रवर्याम्यम्यम्यम्यम्यम्यम्यम्यम्यम्यम्य	(70) 75			
10. रामनवमी 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) 17. विजयदशमी 11. विजयदशमी 11. विजयदशमी 11. विजयदशमी 12. जन्माष्टमी 13. वाल्मीकिजयन्ती 14. वीपाविल: 15. रक्षाबन्ध्यम् श्रावणमासे 15. रक्षाबन्ध्यम् श्रावणमासे 16. रविदासजयन्ती 17. वुद्धपूर्णिमा 18. क्रिसमस्-दिवस: 19. होलिकोत्सव: 10. रामनवमी 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) 10. रामनवमी 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) 11. व्रावणमासे 12. दुम्मासे 13. व्रावणमासे 14. विवासजयन्ती 15. रक्षाबन्ध्यम् श्रावणमासे 16. रविदासजयन्ती 17. वुद्धपूर्णिमा 18. क्रिसमस्-दिवस: 18. क्रिसमस्-दिवस: 19. होलिकोत्सव: 19. होलिकोत्सव: 10. रामनवमी 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) 12. दुम्मादिपर्व कदा भवति इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्न्याः बालिकायाः जन्मदिवसः 'राम इति दिवसे आयोज्यते। अघोलिखितेषु वेशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्धे 11. श्वेतवारहकल्पे 12. भारतवर्षे भरतखण्डे 13. किलयुगे प्रथमे चरणे 14. जम्बुद्वीपे 15. सूर्योत्तरायणे 16. वैत्रमासे 17. प्रतिपदायाम् तिथी 18. गुरुवासरे 19. आदित्य: नाम अहम्	10. रामनवमी 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) 11. विजयदशमी मास: पक्ष: तिथि: 1. विजयदशमी आश्वनमासे गुक्लपक्षे दशम्याम् 2. जन्माष्टमी भाद्रपदमासे कृष्णपक्षे अष्टम्याम् 3. वाल्मीकिजयन्ती आश्वनमासे कृष्णपक्षे अष्टम्याम् 4. दीपावितः कार्तिकमासे गुक्लपक्षे प्रकादश्याम् 5. रक्षाबन्धनम् श्रावणमासे गुक्लपक्षे पृणिमायाम् 6. रविदासजयन्ती माधमासे गुक्लपक्षे पृणिमायाम् 7. बुद्धपूर्णिमा वैशाखमासे गुक्लपक्षे पृणिमायाम् 8. क्रिसमस्-दिवसः पौषमासे कृष्णपक्षे 25 दिसम्बरे पृणिमायाम् 9. होलिकोत्सवः फाल्गुनमासे गुक्लपक्षे पृणिमायाम् 10. रामनवमी चैत्रमासे गुक्लपक्षे पृणिमायाम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे गुक्लपक्षे पृणिमायाम् 12. युगाविपर्व कदा भवित इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्याः बालिकायाः जन्मदिवसः 'रामव् इति विवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु देशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः हितीये परार्थे () 1. श्वेतवारहकत्त्पे () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. कलियुगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बुद्वीपे () 5. सूर्योत्तरायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम् (राणि—1. न भविष्यति 2. न भविष्यति 3. न भविष्यति 4. न भविष्यति 5. न भविष्यति 6. न भविष्यति 7. भविष्यति 8. भविष्यति 9. भविष्यति				
11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) 1. विजयदशमी 1. विजयदशमी 2. जन्माष्टमी 3. वाल्मीकिजयन्ती 4. दीपावलिः 5. रक्षाबन्धनम् श्रावणमासे 6. रविदासजयन्ती 7. बुद्धपूर्णमा 8. क्रिसमस्-दिवसः 9. होलिकोत्सवः 10. रामनवमी 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे प्रकाल्यक्षे प्रणामायाम् श्रावणमासे श्रावलपक्षे पूर्णमायाम् श्रावणमासे श्रावलपक्षे पूर्णमायाम् ग्रावस्यायम् पूर्णमायाम् ग्रावस्यावस्यायम् पूर्णमायाम् ग्रावस्यावस्यायम् पूर्णमायाम् ग्रावस्यावस्यायम् पूर्णमायाम् ग्रावस्यावस्यायम् पूर्णमायाम् ग्रावस्यावस्यायम् ग्रावस्यावस्यायम् पूर्णमायाम् ग्रावस्यावस्यायम् ग्रावस्यावस्यायम् ग्रावस्यावस्यायम् ग्रावस्यावस्यायम् ग्रावस्यावस्यायम् ग्रावस्यावस्यायम् ग्रावस्यायम् ग्रावस्यवस्यवस्यवस्यवस्यवस्यवस्यस्यवस्यवस्यव	ार्गण पर्वनाम प्रसः पृक्षः तिथिः तिथः तिथिः तिथः तिथा तिथा तिकाद्याम पूर्णमायाम पूर्णमायाम तिः तिभावः तिः तिभावः तिः तिभावः तिः तिथः तिथा तिः तिः तिथा तिः तिः तिः तिः तिः तिः तिः ति	4			
पर्वाचा	पर्वाचा	220 720		***************************************	***************************************
1. विजयदशमी आश्वनमासे शुक्लपक्षे दशम्याम् 2. जन्माच्मी भाद्रपदमासे कृष्णपक्षे अष्टम्याम् 3. वाल्मीकिजयन्ती आश्वनमासे कृष्णपक्षे अमावस्यायाम् 4. दीपावितः कार्तिकमासे शृक्लपक्षे पूर्णमायाम् 5. रक्षाबन्धनम् श्रावणमासे शृक्लपक्षे पूर्णमायाम् 6. रविदासजयन्ती माघमासे शृक्लपक्षे पूर्णमायाम् 7. बुद्धपूर्णमा वैशाखमासे शृक्लपक्षे पूर्णमायाम् 8. क्रिसमस्-दिवसः पौषमासे शृक्लपक्षे पूर्णमायाम् 9. होलिकोत्सवः फाल्गुनमासे शृक्लपक्षे पूर्णमायाम् 10. रामनवमी चैत्रमासे शृक्लपक्षे पूर्णमायाम् 11. गृक्नानकजयन्ती (गृरुपर्व) कार्तिकमासे शृक्लपक्षे पूर्णमायाम् 2. युगादिपर्व कदा भवति इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्याः बालिकायाः जन्मदिवसः 'राम् इति दिवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु देशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्थे () () 2. भारतवर्थे भरतखण्डे () () 3. कलियुगे प्रथमे चरणे () () 4. जनबृति () () </td <td>ति जयदशमी आष्ट्रिवनमासे शुक्लपक्षे उद्देशन्याम् त्र वाल्मीकिजयन्ती आर्थिवनमासे कृष्णपक्षे अष्टम्याम् त्र वाल्मीकिजयन्ती आर्थिवनमासे कृष्णपक्षे एकादश्याम् त्र पीपविलिः कार्तिकमासे कृष्णपक्षे प्रवादश्याम् ति पीविलः कार्तिकमासे कृष्णपक्षे अमावस्यायाम् ति पीविद्यासजयन्ती माधमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् ति पविद्यसजयन्ती माधमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् ति विद्यसजयन्ती माधमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् ति क्रिसमस्-दिवसः पौषमासे कृष्णपक्षे 25 दिसम्बरे पूर्णिमायाम् ति पामनवमी चैत्रमासे शुक्लपक्षे प्राच्याम् ति पामनवमी चैत्रमासे शुक्लपक्षे प्रविच्यति व वा इति लिखत— इति विवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु वेशकालवाचकेषु शब्वेषु परिवर्तनम् मिवच्यति । र व्येतवारहकल्पे () तम्पविच्यति () तम्पवच्यति () तम्पवच्यति</td> <td></td> <td>***************************************</td> <td>***************************************</td> <td>***************************************</td>	ति जयदशमी आष्ट्रिवनमासे शुक्लपक्षे उद्देशन्याम् त्र वाल्मीकिजयन्ती आर्थिवनमासे कृष्णपक्षे अष्टम्याम् त्र वाल्मीकिजयन्ती आर्थिवनमासे कृष्णपक्षे एकादश्याम् त्र पीपविलिः कार्तिकमासे कृष्णपक्षे प्रवादश्याम् ति पीविलः कार्तिकमासे कृष्णपक्षे अमावस्यायाम् ति पीविद्यासजयन्ती माधमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् ति पविद्यसजयन्ती माधमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् ति विद्यसजयन्ती माधमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् ति क्रिसमस्-दिवसः पौषमासे कृष्णपक्षे 25 दिसम्बरे पूर्णिमायाम् ति पामनवमी चैत्रमासे शुक्लपक्षे प्राच्याम् ति पामनवमी चैत्रमासे शुक्लपक्षे प्रविच्यति व वा इति लिखत— इति विवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु वेशकालवाचकेषु शब्वेषु परिवर्तनम् मिवच्यति । र व्येतवारहकल्पे () तम्पविच्यति () तम्पवच्यति		***************************************	***************************************	***************************************
2. जन्माष्टमी भाद्रपदमासे कृष्णपक्षे अष्टम्याम् 3. वाल्मीकिजयन्ती आश्वितमासे कृष्णपक्षे एकादश्याम् 4. दीपाविल: कार्तिकमासे कृष्णपक्षे अमावस्यायाम् 5. रक्षाबन्धनम् श्रावणमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 6. रिवदासजयन्ती माधमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 7. बुद्धपूर्णिमा वैशाखमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 8. क्रिसमस्-दिवसः पौषमासे कृष्णपक्षे 25 दिसम्बरे 9. होलिकोत्सवः फाल्गुनमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 10. रामनवमी चैत्रमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 11. गुक्नानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 12. युगाविपर्व कदा भवित इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्याः बालिकायाः जन्मदिवसः 'राम् इति दिवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु देशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्थे () 1. श्वेतवाराहकल्पे () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. कल्युगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बृद्वीपे () 5. सूर्योत्तरयणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम् ()	2. जन्माष्टमी भाइपरमासे कृष्णपक्षे अष्टभ्याम् 3. वाल्मीकिजयन्ती आश्विनमासे कृष्णपक्षे एकादश्याम् 4. दीपाविल: कार्तिकमासे कृष्णपक्षे अमावस्यायाम् 5. रक्षाबन्धनम् श्रावणमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 6. रिवदासजयन्ती माधमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 7. बुद्धपूर्णिमा वैशाखमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 8. क्रिसमस्-दिवस: पौषमासे कृष्णपक्षे 25 दिसम्बरे 9. होलिकोत्सव: फाल्गुनमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 10. रामनवमी चैत्रमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 1. स्युगाविपर्व कदा भवित इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्न्याः बालिकायाः जमादिवसः 'रामव् इति विवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु वेशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्थे () 1. श्वेतवाराहकल्पे () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. कलियुगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बृद्वीपे () 5. सूर्योत्तरयणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथ्ये () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम् राणि-1. न भविष्यति 2. न भविष्यति 3. न भविष्यति 4. न भविष्यति 5. न भविष्यति	100 000 000 000 000 000 000 000 000 000	मास:	पक्षः	तिथि:
3. वाल्मीकिजयन्ती आश्वितमासे कृष्णपक्षे एकादश्याम् 4. दीपाविल: कार्तिकमासे कृष्णपक्षे अमावस्यायाम् 5. रक्षाबन्धनम् श्रावणमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 6. रविदासजयन्ती माघमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 7. बुद्धपूर्णिमा वैशाखमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 8. क्रिसमस्-दिवस: पौषमासे कृष्णपक्षे 25 दिसम्बरे 9. होत्तिकोत्सव: फाल्गुनमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 10. रामनवमी चैत्रमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 12. युगादिपर्व कदा भवित इति सङ्कल्ये ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्त्याः बालिकाथाः जन्मदिवसः 'राम इति दिवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु देशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीये पराधें (न भविष्यति) 1. श्वेतवाराहकल्पे () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. कलियुगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बृद्वीपे () 5. सूर्योत्तरायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम्	3. वाल्मीकिजयन्ती आश्विनमासे कृष्णपक्षे एकादश्याम् 4. दीपावलिः कार्तिकमासे कृष्णपक्षे आमावस्यायाम् 5. रक्षाबन्धनम् श्रावणमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 6. रविदासजयन्ती माधमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 7. बुद्धपूर्णमा वैशाखमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 8. क्रिसमस्-दिवसः पौषमासे कृष्णपक्षे 25 दिसम्बरे 9. होलिकोत्सवः फाल्गुनमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 10. रामनवमी चैत्रमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 12. सुगादिपर्वं कदा भवति इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्याः बालिकायाः जन्मदिवसः 'रामव्व इति विवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु वेशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्घे (न भविष्यति) 1. श्वेतवारहकल्पे () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. कल्लुगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बूद्वीपे () 5. सूर्योत्तरायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथ्ये () 8. गुरुवाससे () 9. आदित्यः नाम अहम् राणि-1. न भविष्यति 2. न भविष्यति 3. न भविष्यति 4. न भविष्यति 5. न भविष्यति	 विजयदशमी 	आश्विनमासे	शुक्लपक्षे	दशम्याम्
4. दीपावितः कार्तिकमासे कृष्णपक्षे अमावस्यायाम् 5. रक्षाबन्धनम् श्रावणमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 6. रविदासजयन्ती माघमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 7. बुद्धपूर्णिमा वैशाखमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 8. क्रिसमस्-दिवसः पौषमासे कृष्णपक्षे 25 दिसम्बरे 9. होलिकोत्सवः फाल्गुनमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 10. रामनवमी चैत्रमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 2. युगाविपर्व कदा भवित इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्याः बालिकायाः जन्मदिवसः 'रामः इति दिवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु वेशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्षे () 1. श्वेतवाराहकल्पे () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. कलियुगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बुद्वीपे () 5. सूर्योत्तरायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथी () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम् ()	4. दीपावित: कार्तिकमासे कृष्णपक्षे अमावस्यायाम् 5. रक्षाबन्धनम् श्रावणमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 6. रिवदासजयन्ती माघमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 7. बुद्धपूर्णिमा वैशाखमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 8. क्रिसमस्-दिवस: पौषमासे कृष्णपक्षे 25 दिसम्बरे 9. होलिकोत्सव: फाल्गुनमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 10. रामनवमी चैत्रमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 11. गुक्नानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 12. युगाविपर्व कदा भवित इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्याः बालिकायाः जन्मविवसः 'रामट इति विवसे आयोज्यते। अघोलिखितेषु देशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्धे () 1. श्वेतवाराहकल्पे () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. कलियुगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बृद्वीपे () 5. सूर्योत्तरायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम् 17. प्रविष्यति 2. न भविष्यति 3. न भविष्यति 4. न भविष्यति 5. न भविष्यति 6. न भविष्यति 7. भविष्यति 8. भविष्यति 9. भविष्यति		भाद्रपदमासे	कृष्णपक्षे	अष्टम्याम्
4. दीपाविल: कार्तिकमासे कृष्णपक्षे अमावस्यायाम् 5. रक्षाबन्धनम् श्रावणमासे शृक्लपक्षे पूर्णमायाम् 6. रविदासजयन्ती माधमासे शृक्लपक्षे पूर्णमायाम् 7. बुद्धपूर्णिमा वैशाखमासे शृक्लपक्षे पूर्णमायाम् 8. क्रिसमस्-दिवस: पौषमासे कृष्णपक्षे 25 दिसम्बरे 9. होलिकोत्सव: फाल्गुनमासे शृक्लपक्षे पूर्णमायाम् 10. रामनवमी चैत्रमासे शृक्लपक्षे पूर्णमायाम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शृक्लपक्षे पूर्णमायाम् 4. युगाविपर्व कदा भवति इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। विल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्न्याः बालिकायाः जन्मविवसः 'रामः इति विवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु देशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति) () 1. श्वतवाग्रहकल्पे () () 2. भारतवर्ष भरतखण्डे () 3. कलियुगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बृद्धपे () 5. सूर्योत्तरायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्य: नाम अहम् ()	4. दीपाविति: कार्तिकमासे कृष्णपक्षे अमावस्यायाम् 5. रक्षाबन्धनम् श्रावणमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 6. रविदासजयन्ती माघमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 7. बुद्धपूर्णिमा वैशाखमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 8. क्रिसमस्-िद्वस: पौषमासे कृष्णपक्षे 25 दिसम्बरे 9. होलिकोत्सव: फाल्गुनमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 10. रामनवमी वैत्रमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 11. गुक्नानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 11. गुक्नानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 12. युगादिपर्व कदा भवित इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्न्याः बालिकायाः जन्मदिवसः 'रामव् इति दिवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु देशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्धे (न भविष्यति) 1. श्वेतवाराहकल्पे () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. कल्लियुगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बूद्वीपे () 5. सूर्योत्तरायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम् 1राणि—1. न भविष्यति 2. न भविष्यति 3. न भविष्यति 4. न भविष्यति 5. न भविष्यति 6. न भविष्यति 7. भविष्यति 8. भविष्यति 9. भविष्यति	3. वाल्मीकिजयन्ती	आश्विनमासे	कृष्णपक्षे	एकादश्याम्
5. रक्षाबन्धनम् श्रावणमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 6. रविदासजयन्ती माघमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 7. बुद्धपूर्णमा वैशाखमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 8. क्रिसमम्-दिवस: पौषमासे कृष्णपक्षे 25 दिसम्बरे 9. होलिकोत्सव: फाल्गुनमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 10. रामनवमी चैत्रमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णमायाम् 2. युगाविपर्व कदा भवति इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्न्याः बालिकायाः जन्मदिवसः 'राम्म इति विवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु देशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्धे (न भविष्यति) 1. श्वेतवाराहकल्पे () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. कलियुगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बुद्वीपे () 5. सूर्योत्तरायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथ्ये () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्य: नाम अहम् ()	5. रक्षाबन्धनम् श्रावणमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 6. रविदासजयन्ती माघमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 7. बुद्धपूर्णिमा वैशाखमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 8. क्रिसमस्-दिवसः पौषमासे कृष्णपक्षे 25 दिसम्बरे 9. होलिकोत्सवः फाल्गुनमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 10. रामनवमी चैत्रमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 2. युगादिपर्व कदा भवित इति सङ्कल्ये ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्न्याः बालिकायाः जन्मदिवसः 'रामट इति दिवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु देशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्थे () 1. श्वेतवाराहकल्ये () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. कल्युगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बृद्वीपे () 5. सूर्योत्तरायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम् () 1. गविष्यति 2. न भविष्यति 3. न भविष्यति 4. न भविष्यति 5. न भविष्यति 6. न भविष्यति 7. भविष्यति 8. भविष्यति 9. भविष्यति	4. दीपावलि:	कार्तिकमासे	कृष्णपक्षे	10
6. रविदासजयन्ती माघमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 7. बुद्धपूर्णिमा वैशाखमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 8. क्रिसमस्-िद्वसः पौषमासे कृष्णपक्षे 25 दिसम्बरे 9. होलिकोत्सवः फाल्गुनमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 10. रामनवमी चैत्रमासे शुक्लपक्षे नवस्याम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 2. युगाविपर्व कदा भवति इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्न्याः बालिकायाः जन्मदिवसः 'राम इति दिवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु देशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत – यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्घे (न भविष्यति) 1. श्वेतवाराहकल्पे () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. कल्युगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बूद्वीपे () 5. सूर्योत्तरयणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम् ()	6. रविदासजयन्ती माघमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 7. बुद्धपूर्णिमा वैशाखमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 8. क्रिसमस्-दिवसः पौषमासे कृष्णपक्षे 25 दिसम्बरे 9. होलिकोत्सवः फाल्गुनमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 10. रामनवमी चैत्रमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 2. युगादिपर्व कदा भवति इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्न्याः बालिकायाः जन्मदिवसः 'रामव्ह इति दिवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु देशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्थे () 1. श्वेतवाराहकल्पे () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. कलियुगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बृद्वीपे () 5. सूर्योत्तरायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम् () 1. गविष्यति 2. न भविष्यति 3. न भविष्यति 4. न भविष्यति 5. न भविष्यति 6. न भविष्यति 7. भविष्यति 8. भविष्यति 9. भविष्यति	5. रक्षाबन्धनम्	श्रावणमासे	शुक्लपक्षे	
7. बुद्धपूर्णिमा वैशाखमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 8. क्रिसमस्-दिवस: पौषमासे कृष्णपक्षे 25 दिसम्बरे 9. होलिकोत्सव: फाल्गुनमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 10. रामनवमी चैत्रमासे शुक्लपक्षे नवम्याम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 2. युगादिपर्व कदा भवति इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्न्याः बालिकायाः जन्मदिवसः 'रामः इति दिवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु देशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्घ (न भविष्यति) 1. श्वेतवाग्रहकल्पे () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. कलियुगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बूद्वीपे () 5. सूर्योत्तरायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम् ()	7. बुद्धपूर्णिमा वैशाखमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 8. क्रिसमम्-दिवसः पौषमासे कृष्णपक्षे 25 दिसम्बरे 9. होलिकोत्सवः फाल्गुनमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 10. रामनवमी चैत्रमासे शुक्लपक्षे नवम्याम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 2. युगाविपर्व कदा भवति इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्न्याः बालिकायाः जन्मदिवसः 'रामव् इति विवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु देशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत- यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्थे (न भविष्यति) 1. श्वेतवाराहकल्पे () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. कलियुगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बृद्वीपे () 5. सूर्योत्तरायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम् () 1. न भविष्यति 2. न भविष्यति 3. न भविष्यति 4. न भविष्यति 5. न भविष्यति 6. न भविष्यति 7. भविष्यति 8. भविष्यति 9. भविष्यति।	6. रविदासजयन्ती	माघमासे		
8. क्रिसमस्-िद्वसः पौषमासे कृष्णपक्षे 25 दिसम्बरे 9. होलिकोत्सवः फाल्गुनमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 10. रामनवमी चैत्रमासे शुक्लपक्षे नवम्याम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 2. युगादिपर्व कवा भवित इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्न्याः बालिकायाः जन्मदिवसः 'राम इति दिवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु देशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्षे (न भविष्यति) 1. श्वेतवाराहकल्पे () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. किलयुगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बूद्वीपे () 5. सूर्योत्तरायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम् ()	8. क्रिसमस्-दिवसः पौषमासे कृष्णपक्षे 25 दिसम्बरे 9. होलिकोत्सवः फाल्गुनमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 10. रामनवमी चैत्रमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 2. युगादिपर्व कदा भवति इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्याः बालिकायाः जन्मदिवसः 'रामट इति दिवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु देशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्धे (न भविष्यति) 1. श्वेतवाराहकल्पे () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. किलयुगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बूद्वीपे () 5. सूर्योत्तरायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम् () 1राणि—1. न भविष्यति 2. न भविष्यति 3. न भविष्यति 4. न भविष्यति 5. न भविष्यति 6. न भविष्यति 7. भविष्यति 8. भविष्यति 9. भविष्यति	7. बुद्धपूर्णिमा	वैशाखमासे		
9. होलिकोत्सव: फाल्गुनमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 10. रामनवमी चैत्रमासे शुक्लपक्षे नवम्याम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 2. युगाविपर्व कदा भवति इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्न्याः बालिकायाः जन्मदिवसः 'राम इति दिवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु देशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत – यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्थे () 1. श्वेतवाराहकल्पे () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. किलयुगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बृद्वीपे () 5. सूर्योत्तरायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम् ()	9. होलिकोत्सव: फाल्गुनमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 10. रामनवमी चैत्रमासे शुक्लपक्षे नवम्याम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 2. युगाविपर्व कदा भवित इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्न्याः बालिकायाः जन्मदिवसः 'रामव् इति विवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु देशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्धे (न भविष्यति) 1. श्वेतवाराहकल्पे () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. किलयुगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बृद्वीपे () 5. सूर्योत्तरायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम् () 1राणि—1. न भविष्यति 2. न भविष्यति 3. न भविष्यति 4. न भविष्यति 5. न भविष्यति 6. न भविष्यति 7. भविष्यति 8. भविष्यति 9. भविष्यति।		पौषमासे		
10. रामनवमी चैत्रमासे शुक्लपक्षे नवम्याम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 2. युगाविपर्व कदा भवति इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्न्याः बालिकायाः जन्मदिवसः 'राम इति दिवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु देशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत – यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्षे (न भविष्यति) 1. श्वेतवाराहकल्पे () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. कलियुगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बूद्वीपे () 5. सूर्योत्तरायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम् ()	10. रामनवमी चैत्रमासे शुक्लपक्षे नवम्याम् 11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 2. युगादिपर्व कदा भवित इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्न्याः बालिकायाः जन्मदिवसः 'रामव् इति दिवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु देशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्षे (न भविष्यति) 1. श्वेतवाराहकल्पे () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. किलयुगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बूद्वीपे () 5. सूर्योत्तरायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम् () 1राणि—1. न भविष्यति 2. न भविष्यति 3. न भविष्यति 4. न भविष्यति 5. न भविष्यति 6. न भविष्यति 7. भविष्यति 8. भविष्यति 9. भविष्यति।				77 To 10 (10 to 10
11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 2. युगाविपर्व कदा भवित इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्याः बालिकायाः जन्मदिवसः 'राम इति दिवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु देशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्थे (न भविष्यति) 1. श्वेतवाराहकल्पे () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. किलयुगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बृद्वीपे () 5. सूर्योत्तरायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम् ()	11. गुरुनानकजयन्ती (गुरुपर्व) कार्तिकमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायाम् 2. युगाविपर्व कदा भवित इति सङ्कल्ये ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्न्याः बालिकायाः जन्मदिवसः 'रामव् इति दिवसे आयोज्यते। अयोलिखितेषु देशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्षे (न भविष्यति) 1. श्वेतवाराहकल्पे () 2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. किलयुगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बृद्वीपे () 5. सूर्योत्तरायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम् () 17. प्रविष्यति 2. न भविष्यति 3. न भविष्यति 4. न भविष्यति 5. न भविष्यति 6. न भविष्यति 7. भविष्यति 8. भविष्यति 9. भविष्यति।		12 1772		
2. युगाविपर्व कदा भवित इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्याः बालिकायाः जन्मविवसः 'राम इति विवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु देशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत – यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्धे	2. युगाविपर्व कदा भवित इति सङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अम्बालिका' नाम्याः बालिकायाः जन्मदिवसः 'रामट इति दिवसे आयोज्यते। अधोलिखितेषु देशकालवाचकेषु शब्देषु परिवर्तनम् भविष्यति न वा इति लिखत— यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्धे		20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 2		
2. भारतवर्षे भरतखण्डे () 3. किलयुगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बूद्वीपे () 5. सूर्योत्तरायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्य: नाम अहम् ()	2. भारतवर्षे भरतखण्डे	2. युगादिपर्व कदा भवति इति स्	ु इल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अ	बालिका' नाम्न्याः बालिव	ज्ञायाः जन्मदिवसः ['] रामव
3. किलयुगे प्रथमे चरणे () 4. जम्बूद्वीपे () 5. सूर्योत्तरायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्य: नाम अहम् ()	3. किलयुगे प्रथमे चरणे	 युगाविपर्व कदा भवति इति स् इति विवसे आयोज्यते। अधोलि यथा ब्रह्मण: द्वितीये परार्धे 	ु इल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अ	बालिका' नाम्याः बालिव षु परिवर्तनम् भविष्यति	ा जन्मदिवसः 'रामव न वा इति लिखत–
4. जम्बृद्धीपे () 5. सूर्योत्तरायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्य: नाम अहम् ()	4. जम्बूद्वीपे	 युगाविपर्व कदा भवति इति स् इति विवसे आयोज्यते। अधोलि यथा ब्रह्मण: द्वितीये परार्धे 1. श्वेतवाराहकल्पे 	ु इल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अ	बालिका' नाम्याः बालिव षु परिवर्तनम् भविष्यति	ा जन्मदिवसः 'रामव न वा इति लिखत–
5. सूर्योत्तरायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्य: नाम अहम् ()	5. सूर्योत्तरायणे () 6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्य: नाम अहम् () शराणि—1. न भविष्यति 2. न भविष्यति 3. न भविष्यति 4. न भविष्यति 5. न भविष्यति 6. न भविष्यति 7. भविष्यति 8. भविष्यति 9. भविष्यति।	 युगाविपर्व कदा भवति इति स् इति विवसे आयोज्यते। अघोलि यथा ब्रह्मण: द्वितीये परार्धे 1. श्वेतवाराहकल्पे 2. भारतवर्षे भरतखण्डे 	ु इल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अ	बालिका' नाम्याः बालिव षु परिवर्तनम् भविष्यति	ा जन्मदिवसः 'रामव न वा इति लिखत–
6. चैत्रमासे () 7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्य: नाम अहम् ()	6. चैत्रमासे	 युगाविपर्व कदा भवति इति स् इति विवसे आयोज्यते। अधोलि यथा ब्रह्मण: द्वितीये परार्धे १ श्वेतवाराहकल्पे भारतवर्षे भरतखण्डे कलियुगे प्रथमे चरणे 	ु इल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अ	बालिका' नाम्याः बालिव षु परिवर्तनम् भविष्यति	ा जन्मदिवसः 'रामव न वा इति लिखत–
7. प्रतिपदायाम् तिथौ	7. प्रतिपदायाम् तिथौ () 8. गुरुवासरे () 9. आदित्य: नाम अहम् () तराणि—1. न भविष्यति 2. न भविष्यति 3. न भविष्यति 4. न भविष्यति 5. न भविष्यि 6. न भविष्यति 7. भविष्यति 8. भविष्यति 9. भविष्यति।	2. युगाविपर्व कदा भवति इति स् इति विवसे आयोज्यते। अधोलि यथा ब्रह्मण: द्वितीये परार्धे 1. श्वेतवाराहकल्पे 2. भारतवर्षे भरतखण्डे 3. कलियुगे प्रथमे चरणे 4. जम्बृद्वीपे	ु इल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अ	बालिका' नाम्याः बालिव षु परिवर्तनम् भविष्यति	ा जन्मदिवसः 'रामव न वा इति लिखत–
8. गुरुवासरे () 9. आदित्यः नाम अहम् ()	8. गुरुवासरे () 9. आदित्य: नाम अहम् () तराणि—1. न भविष्यति 2. न भविष्यति 3. न भविष्यति 4. न भविष्यति 5. न भविष्य 6. न भविष्यति 7. भविष्यति 8. भविष्यति 9. भविष्यति।	2. युगाविपर्व कदा भवति इति स् इति विवसे आयोज्यते। अधोलि यथा ब्रह्मण: द्वितीये परार्धे 1. श्वेतवाराहकल्पे 2. भारतवर्षे भरतखण्डे 3. कलियुगे प्रथमे चरणे 4. जम्बृद्वीपे	ु इल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अ	बालिका' नाम्याः बालिव षु परिवर्तनम् भविष्यति	ा जन्मदिवसः 'रामव न वा इति लिखत–
9. आदित्यः नाम अहम्	9. आदित्य: नाम अहम्	2. युगाविपर्व कदा भवति इति स् इति विवसे आयोज्यते। अधोलि यथा ब्रह्मण: द्वितीये परार्धे 1. श्वेतवाराहकल्पे 2. भारतवर्षे भरतखण्डे 3. कलियुगे प्रथमे चरणे 4. जम्बूद्वीपे 5. सूर्योत्तरायणे	ु इल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अ	बालिका' नाम्याः बालिव षु परिवर्तनम् भविष्यति	ा जन्मदिवसः 'रामव न वा इति लिखत–
	तराणि— 1. न भविष्यति	2. युगाविपर्व कदा भवति इति स् इति विवसे आयोज्यते। अघोति यथा ब्रह्मण: द्वितीये परार्धे 1. श्वेतवाराहकल्पे 2. भारतवर्षे भरतखण्डे 3. कलियुगे प्रथमे चरणे 4. जम्बूद्वीपे 5. सूर्योत्तरायणे 6. चैत्रमासे	ु इल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अ	बालिका' नाम्याः बालिव षु परिवर्तनम् भविष्यति	ा जन्मदिवसः 'रामव न वा इति लिखत–
साणि – 1. न भविष्यति २. न भविष्यति ३. न भविष्यति ४. न भविष्यति ६. न भविष्यति ४. न भविष्यति ४. न भविष्यति	6. न भविष्यित 7. भविष्यित 8. भविष्यित 9. भविष्यित।	2. युगाविपर्व कदा भवति इति स् इति विवसे आयोज्यते। अधोलि यथा ब्रह्मण: द्वितीये परार्धे 1. श्वेतवाराहकल्पे 2. भारतवर्षे भरतखण्डे 3. कलियुगे प्रथमे चरणे 4. जम्बूद्वीपे 5. सूर्योत्तरायणे 6. चैत्रमासे 7. प्रतिपदायाम् तिथौ	ङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'आ वित्रेषु देशकालवाचकेषु शब्दे	बालिका' नाम्याः बालिव षु परिवर्तनम् भविष्यति	ा जन्मदिवसः 'रामव न वा इति लिखत–
	 न भविष्यति 7. भविष्यति 8. भविष्यति 9. भविष्यति। 	2. युगाविपर्व कदा भवति इति स् इति विवसे आयोज्यते। अधोलि यथा ब्रह्मण: द्वितीये परार्धे 1. श्वेतवाराहकल्पे 2. भारतवर्षे भरतखण्डे 3. कलियुगे प्रथमे चरणे 4. जम्बृद्धीपे 5. सूर्योत्तरायणे 6. वैत्रमासे 7. प्रतिपदायाम् तिथौ	ङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अर्थ विवतेषु देशकालवाचकेषु शब्दे	बालिका' नाम्याः बालिव षु परिवर्तनम् भविष्यति	ा जन्मदिवसः 'रामव न वा इति लिखत–
^^		2. युगाविपर्व कदा भवति इति स् इति विवसे आयोज्यते। अधोलि यथा ब्रह्मण: द्वितीये परार्धे 1. श्वेतवाराहकल्पे 2. भारतवर्षे भरतखण्डे 3. कलियुगे प्रथमे चरणे 4. जम्बूद्वीपे 5. सूर्योत्तरायणे 6. चैत्रमासे 7. प्रतिपदायाम् तिथौ 8. गुरुवासरे 9. आदित्य: नाम अहम्	ङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'आ वितेषु देशकालवाचकेषु शब्दे	बालिका' नाम्याः बालिव षु परिवर्तनम् भविष्यति (न भविष्य ((((((((niai: जन्मदिवस: 'रामव न वा इति लिखत— ते)))))))))))
3. नवसंवत्सरस्य आरम्भे भवान् / भवती एकम् शुभकामनापत्रं स्विमत्राय प्रेषयितुम् इच्छति। तस्मिन् कार्		2. युगाविपर्व कदा भवति इति स् इति विवसे आयोज्यते। अधोले यथा ब्रह्मण: द्वितीये परार्धे 1. श्वेतवाराहकल्पे 2. भारतवर्षे भरतखण्डे 3. कलियुगे प्रथमे चरणे 4. जम्बूद्वीपे 5. सूर्योत्तरायणे 6. चैत्रमासे 7. प्रतिपदायाम् तिथौ 8. गुरुवासरे 9. आदित्य: नाम अहम् तराणि—1. न भविष्यति 2. 6. न भविष्यति 7.	क्रूल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अर्थ विवितेषु देशकालवाचकेषु शब्दे 	बालिका' नाम्याः बालिव षु परिवर्तनम् भविष्यति (न भविष्य (((((((यति 4. न भविष्यति।	nal: जन्मदिवस: 'रामव न वा इति लिखत— ते)))))))))))))))))
 नवसंवत्सरस्य आरम्भे भवान् / भवती एकम् शुभकामनापत्रं स्विमत्राय प्रेषियतुम् इच्छिति। तिस्मिन् काग् शुभाशंसाम् लिखत्— 	शुभाशंसाम् लिखत्–	2. युगाविपर्व कदा भवति इति स् इति विवसे आयोज्यते। अधोलि यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्धे 1. श्वेतवाराहकल्पे 2. भारतवर्षे भरतखण्डे 3. कलियुगे प्रथमे चरणे 4. जम्बूद्वीपे 5. सूर्योत्तरायणे 6. चैत्रमासे 7. प्रतिपदायाम् तिथौ 8. गुरुवासरे 9. आदित्यः नाम अहम् राणि-1. न भविष्यति 2. 6. न भविष्यति 7.	क्रूल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अर्थ विवितेषु देशकालवाचकेषु शब्दे 	बालिका' नाम्याः बालिव षु परिवर्तनम् भविष्यति (न भविष्य (((((((यति 4. न भविष्यति।	nal: जन्मदिवस: 'रामव न वा इति लिखत— ते)))))))))))))))))
	शुभाशंसाम् लिखत्—	2. युगाविपर्व कदा भवति इति स् इति विवसे आयोज्यते। अधोलि यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्धे 1. श्वेतवाराहकल्पे 2. भारतवर्षे भरतखण्डे 3. कलियुगे प्रथमे चरणे 4. जम्बूद्वीपे 5. सूर्योत्तरायणे 6. चैत्रमासे 7. प्रतिपदायाम् तिथौ 8. गुरुवासरे 9. आदित्यः नाम अहम् राणि-1. न भविष्यति 2. 6. न भविष्यति 7.	क्रूल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अर्थ विवितेषु देशकालवाचकेषु शब्दे 	बालिका' नाम्याः बालिव षु परिवर्तनम् भविष्यति (न भविष्य (((((((यति 4. न भविष्यति।	nal: जन्मदिवस: 'रामव न वा इति लिखत— ते)))))))))))))))))
	शुभाशंसाम् लिखत्–	2. युगाविपर्व कदा भवति इति स् इति विवसे आयोज्यते। अधोलि यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्धे 1. श्वेतवाराहकल्पे 2. भारतवर्षे भरतखण्डे 3. कलियुगे प्रथमे चरणे 4. जम्बूद्वीपे 5. सूर्योत्तरायणे 6. चैत्रमासे 7. प्रतिपदायाम् तिथौ 8. गुरुवासरे 9. आदित्यः नाम अहम् राणि-1. न भविष्यति 2. 6. न भविष्यति 7.	क्रूल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अर्थ विवितेषु देशकालवाचकेषु शब्दे 	बालिका' नाम्याः बालिव षु परिवर्तनम् भविष्यति (न भविष्य (((((((यति 4. न भविष्यति।	nai: जन्मदिवस: 'रामव न वा इति लिखत— ते)))))))))))))))))))
	शुभाशंसाम् लिखत्–	2. युगाविपर्व कदा भवति इति स् इति विवसे आयोज्यते। अधोलि यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्धे 1. श्वेतवाराहकल्पे 2. भारतवर्षे भरतखण्डे 3. कलियुगे प्रथमे चरणे 4. जम्बूद्वीपे 5. सूर्योत्तरायणे 6. चैत्रमासे 7. प्रतिपदायाम् तिथौ 8. गुरुवासरे 9. आदित्यः नाम अहम् राणि-1. न भविष्यति 2. 6. न भविष्यति 7.	क्रूल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अर्थ विवितेषु देशकालवाचकेषु शब्दे 	बालिका' नाम्याः बालिव षु परिवर्तनम् भविष्यति (न भविष्य (((((((यति 4. न भविष्यति।	nai: जन्मदिवस: 'रामव न वा इति लिखत— ते)))))))))))))))))))
	शुभाशंसाम् लिखत्—	2. युगाविपर्व कदा भवति इति स् इति विवसे आयोज्यते। अधोलि यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्धे 1. श्वेतवाराहकल्पे 2. भारतवर्षे भरतखण्डे 3. कलियुगे प्रथमे चरणे 4. जम्बूद्वीपे 5. सूर्योत्तरायणे 6. चैत्रमासे 7. प्रतिपदायाम् तिथौ 8. गुरुवासरे 9. आदित्यः नाम अहम् राणि-1. न भविष्यति 2. 6. न भविष्यति 7.	क्रूल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अर्थ विवितेषु देशकालवाचकेषु शब्दे 	बालिका' नाम्याः बालिव षु परिवर्तनम् भविष्यति (न भविष्य (((((((यति 4. न भविष्यति।	nal: जन्मदिवस: 'रामव न वा इति लिखत— ते)))))))))))))))))
		2. युगाविपर्व कदा भवति इति स् इति विवसे आयोज्यते। अधोले यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्धे 1. श्वेतवाराहकल्पे 2. भारतवर्षे भरतखण्डे 3. कलियुगे प्रथमे चरणे 4. जम्बूद्वीपे 5. सूर्योत्तरायणे 6. चैत्रमासे 7. प्रतिपदायाम् तिथौ 8. गुरुवासरे 9. आदित्यः नाम अहम् 1राणि—1. न भविष्यति 2. 6. न भविष्यति 7. 3. नवसंवत्सरस्य आरम्भे भर्म्याश्रमाशांसाम् लिखत्—	ङ्कल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'आ ाखितेषु देशकालवाचकेषु शब्दे स्वाचिष्यति 3. न भविष्यति भविष्यति 8. भविष्यति	बालिका' नाम्याः बालिव षु परिवर्तनम् भविष्यति (न भविष्य ((((((यति 4. न भविष्यति च 9. भविष्यति। ।पत्रं स्विमत्राय प्रेषियतुम्	nai: जन्मदिवस: 'रामव न वा इति लिखत— ते)))))))))))))))))))
शुभाशंसाम् लिखत्-		2. युगाविपर्व कदा भवति इति स् इति विवसे आयोज्यते। अधोले यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्धे 1. श्वेतवाराहकल्पे 2. भारतवर्षे भरतखण्डे 3. कलियुगे प्रथमे चरणे 4. जम्बूद्वीपे 5. सूर्योत्तरायणे 6. वैत्रमासे 7. प्रतिपदायाम् तिथौ 8. गुरुवासरे 9. आदित्यः नाम अहम् तराणि—1. न भविष्यति 2. 6. न भविष्यति 7. 3. नवसंवत्सरस्य आरम्भे भर्म्युभाशंसाम् लिखन्—	कुल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अव विवितेषु देशकालवाचकेषु शब्दे 	बालिका' नाम्याः बालिव षु परिवर्तनम् भविष्यति (न भविष्य ((((((यति 4. न भविष्यति उ. भविष्यति। ।पत्रं स्विमित्राय प्रेषियतुम्	nai: जन्मदिवस: 'रामव न वा इति लिखत— ते)))))))))))))))))))
शुभाशंसाम् लिखत्— ———————————————————————————————————	उत्तरम्–''नवसंवत्सरस्य आरम्भे मित्राय शुभकामनापत्रम्''	2. युगाविपर्व कदा भवति इति स् इति विवसे आयोज्यते। अधोले यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्धे 1. श्वेतवाराहकल्पे 2. भारतवर्षे भरतखण्डे 3. कलियुगे प्रथमे चरणे 4. जम्बूद्वीपे 5. सूर्योत्तरायणे 6. चैत्रमासे 7. प्रतिपदायाम् तिथौ 8. गुरुवासरे 9. आदित्यः नाम अहम् तराणि—1. न भविष्यति 2. 6. न भविष्यति 7. 3. नवसंवत्सरस्य आरम्भे भर्भुभाशंसाम् लिखत्—	कुल्पे ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अव विवितेषु देशकालवाचकेषु शब्दे 	बालिका' नाम्याः बालिव षु परिवर्तनम् भविष्यति (न भविष्य ((((((यति 4. न भविष्यति उ. भविष्यति। ।पत्रं स्विमित्राय प्रेषियतुम्	nai: जन्मदिवस: 'रामव न वा इति लिखत— ते)))))))))))))))))))
शुभाशंसाम् लिखत्— उत्तरम्—''नवसंवत्सरस्य आरम्भे मित्राय शुभकामनापत्रम्'' प्रियमित्र! सस्नेह नमस्ते।	उत्तरम्-''नवसंवत्सरस्य आरम्भे मित्राय शुभकामनापत्रम्'' प्रियमित्र! चण्डीगढ्	2. युगाविपर्व कदा भवति इति स् इति विवसे आयोज्यते। अधोले यथा ब्रह्मणः द्वितीये परार्धे 1. श्वेतवाराहकल्पे 2. भारतवर्षे भरतखण्डे 3. कलियुगे प्रथमे चरणे 4. जम्बूद्वीपे 5. सूर्योत्तरायणे 6. चैत्रमासे 7. प्रतिपदायाम् तिथौ 8. गुरुवासरे 9. आदित्यः नाम अहम् तराणि—1. न भविष्यति 2. 6. न भविष्यति 7. 3. नवसंवत्सरस्य आरम्भे भर्मुभाशंसाम् लिखत्— जत्तरम्—"नवसंवत्सरस्य अर्प्यमित्र! सस्नेह नमस्ते।	कृत्ये ज्ञातमेव। दिल्लीनगरे 'अव विवितेषु देशकालवाचकेषु शब्दे मिविष्यित 3. न भिवा भविष्यित 8. भविष्यित आन्/भवती एकम् शुभकामन	बालिका' नाम्याः बालिव षु परिवर्तनम् भविष्यति (न भविष्य ((((((यित 4. न भविष्यति न 9. भविष्यति। ।पत्रं स्विमत्राय प्रेषियतुम्	ति : जन्मदिवसः 'रामव न वा इति लिखत— ते)))))))))))))))))))

प्रियांशु:

योग्यता-विस्तारः (न परीक्षाकृते)

पाठे दतः सङ्कल्पः गतिविधयश्च ज्ञानविस्तारार्थमेव नं तु प्रश्नपत्रे परीक्षार्थम्।

अस्माकं विज्ञानिभिः ऋषिभिः अतिप्राचीनकाले एव कालगणना आरब्धा आसीत्। एतत् तु पुराणेतिहासादीनां वेदानां च परिशीलनात् स्पष्टी भविति। कालः अनादिः, अनन्तः अखण्डः च इति विचारः निर्विवादः तथापि व्यवहारार्थं कालगणना आवश्यकी। अतएव व्यवहारे कालभेदः दृश्यते अनुभूयते वा। एवं हि कल्पः युगम् संवत्सरः अयनम्, मासः, पक्षः, तिथिः, घण्टा, निमेषः इति स्थूलविभागाः कालस्य। प्रतिपल-त्रुट्यादयः इतोऽपि सूक्ष्मभेदाः सन्ति।

हिंदी अनुवाद (Hindi Translation)-पाठ में दिया गया संकल्प और गतिविधियाँ ज्ञान विस्तार के लिए ही हैं, परीक्षा में प्रश्नपत्र में देने के लिए नहीं।

हमारे विज्ञानवेता ऋषियों के द्वारा अत्यन्त प्राचीन काल में ही कालगणना प्रारम्भ कर दी गयी थी। यह प्राचीन इतिहास ग्रन्थों, वेदों आदि के परिशीलन से स्पष्ट होता हैं। काल अनादि, अनन्त और अखण्ड है, यह विचार निर्विवाद है। फिर भी व्यवहार के लिए काल की गणना आवश्यक है। इसी कारण व्यवहार में काल भेद दिखाई देता है अथवा अनुभव किया जाता है। इसी प्रकार कल्प, युग, संवत्सर, अयन, मास, पक्ष, तिथि, घंटा, सेकेण्ड आदि समय के स्थृल विभाग हैं। प्रतिपल, त्रुट्या आदि इससे भी सूक्ष्म भेद हैं।

भावविस्तार:

युगादिः ब्रह्मा चैत्रशुक्लप्रतिपदि एव सृष्टिम् आरब्धवान् इति मन्यते। ततः एव कालगणना प्रारब्धा। कालः अनादिः

अखण्डश्च किन्तु अस्माकं व्यवहाराय एव कालभेद: प्रवर्तते। एवं हि कल्प-युग-संवत्सर-अयन-मास-पक्ष-

तिथि-नक्षत्र-घण्टा-निमेषरूपाः कालविभागाः प्रसिद्धाः।

द्वितीये परार्धे अपरस्मिन् अर्धभागे। सम्प्रति सृष्टिकर्तुः ब्रह्मणः आयुः एकपञ्चाशत्तमवर्षस्य प्रथमः दिवसः अस्ति।

कल्पः ब्रह्मणः एकं दिनम्। चतुर्युग सहस्राणि ब्रह्मणो दिनमुच्यते। सुष्टेः अवधिः। ४३२००००० मानववर्षाणि। सम्प्रति

श्वेतवाराहकल्प:।

कलियुगम् 432000 वर्षाणि।

द्वापरम् कलियुगस्य द्विगुणम् ८०५००० वर्षणि।

त्रेता कलियुगस्य त्रिगुणम् 1296000 वर्षाणि। कृतयुगम् कलियुगस्य चतुर्गुणम् 1728000 वर्षाणि।

मन्वन्तरम् मनोः कालः मन्वन्तरम्। ब्रह्मणः एकस्मिन् दिने चतुर्दश मनुवः भवन्ति। एकमनोः कालः ४३२०००० वर्षाणि (मनुः

1/79)। एकस्मिन् मनुकाले 71 महायुगानि भवन्ति। सम्प्रति वैवस्वतमन्वन्तरः प्रचलति।

युगादिपर्व चैत्रमासस्य शुक्लपक्षस्य प्रतिपदा सृष्टे: आदितिथि:। अतएव सा नूतनसंवत्सरस्य प्रथम: दिवस: मन्यते। दक्षिणे

भारते गुडीपरेवा इत्यपि कथ्यते।

द्विपञ्चाशत्तमं कलियुगस्य 5100 वर्षाणि गतानि। सम्प्रति कलियुगं 5101 वर्षं प्रविशति।

जम्बृद्गीपः मेरुं परितः स्थितेषु सप्तद्वीपेषु एकः। भरतखण्डम् भारतस्य एकस्य भागस्य नामान्तरम्। आर्यावर्तः आसमुद्रात् वै पूर्वादासमुद्राच्च पश्चि

आसमुद्रातु वै पूर्वादासमुद्राच्च पश्चिमात्। तयोरेवान्तरं गिर्यो: (हिमविन्ध्ययो:) आर्यावर्तं विदुर्बुधा:॥ (मनु० 2/22)

संवत्सरः वर्षः। षष्टिः संवत्सराः भवन्ति। क्रमेण आवर्तन्ते।

तिथि: प्रतिपक्षे पञ्चदशातिथय: भवन्ति। कृष्णपक्षे पञ्चदशी तिथि: अमावस्या शुक्लपक्षे च पञ्चदशी तिथि: पूर्णमासी

कथ्यते।

नक्षत्रम् ज्योतिर्विदै: ज्ञातं यद् आकाशमण्डलं सप्तविंशतिभागेषु विभक्तमिव दृश्यते। नभसि द्युतिमानानि नक्षत्राणि

सप्तविंशति सन्ति। तेषाम् यथा आकृति: तथैव तेषां नामानि जातानि। यथा अश्विनी भरणी कृतिका

..... रोहिणी..... मृगशिरादीनि।

शुभाशंसा पाठस्यान्ते दत्ता शुभाशंसा विक्रमोर्वशीयम् नाम नाटकात् उद्भृता। अन्याः शुभाशंसाः-

यथा सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।

सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दु:खभाग! भवेत्।।

कल्याणमस्तु सर्वेषां, विलसन्तु समृद्धयः।

सुखाः समीरणा वान्तु, भान्तु सर्वा दिशः शुभाः॥

हिंदी अनुवाद (Hindi Translation)-

युगादि ब्रह्मा ने चैत्रमास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को ही सृष्टि प्रारम्भ की, ऐसा माना जाता है। तब से ही कालगणना प्रारम्भ हुई। काल अनादि और अखण्ड है परन्तु हमारे व्यवहार के लिए ही कालभेद किया गया

है। यही कल्प, युग, संवत्सर-अयन-मास-पक्ष-तिथि-नक्षत्र-घण्टा निमेष रूप में प्रसिद्ध काल विभाग हैं।

द्वितीये परार्धे बाद वाले आधे भाग में। आजकल ब्रह्मा की आयु इक्यानवें वर्ष का प्रथम दिन है।

कल्प ब्रह्मा का एक दिन। सृष्टि की अवधि 432000000 मानव वर्ष है। अब श्वेतवाराहकल्प है।

कलियुग 432000 वर्ष।

द्वापर कलियुग के दुगुने 864000 वर्ष। न्नेता कलियुग के तिगुने 1296000 वर्ष। कृतयुग के चौगुने 1728000 वर्ष।

मन्वन्तर मनु का काल मन्वन्तर कहलाता है। ब्रह्मा के एक दिन में चौदह मनु होते हैं, एक मनु का काल 4320000

वर्ष होता है। एक मनुकाल में 71 महायुग होते हैं। अब वैवस्वत मन्वन्तर चल रहा है।

युगाविपर्व चैत्रमास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा सृष्टि की आदि तिथि है। अतः वही नए संवत्सर का प्रथम दिन माना

जाता है। इसे दक्षिण भारत में गुडीपरेवा भी कही जाती है।

5200वीं शतीं कलियुग में 5100 वर्ष बीत गए हैं। अब कलियुग 5101 वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है।

जम्बूद्वीप मेरु पर्वत के चारों तरफ स्थित सातों द्वीपों में से एक।

भरतखण्ड भारत के एक भाग का दूसरा नाम।

आर्यावर्त पूर्व दिशा में समुद्र तक तथा पश्चिम दिशा में समुद्र तक, इसी प्रकार हिमगिरि से विन्ध्याचल पर्वत के मध्य

स्थित देश आर्यावर्त है।

संवत्सर वर्ष। 60 संवत्सर होते हैं जो क्रमश: आते हैं।

तिथि प्रत्येक पक्ष में पन्द्रह तिथियाँ

नक्षत्र ज्योतिर्विदों के अनुसार आकाशमण्डल 27 भागों में विभक्त है। आकाश में चमकने वाले नक्षत्र 27 हैं। उनकी

जैसी आकृति हैं, वैसे ही उनके नाम हैं। जैसे—अश्विनी, भरणी--------- कृतिका------- रोहिणी

शुभकामनावचन पाठ के अन्त में दिए गए शुभकामनावचन विक्रमोर्वशीयम् नामक नाटक से लिए गए हैं। कुछ अन्य शभकामना वचन हैं—

(i) सभी सुखी रहें, सभी निरोग रहें, सबका कल्याण हो, कोई दु:खी न हो।

(ii) सबका कल्याण हो, सबकी धनसम्पत्ति बढ़े, सुखदायी वायु बहे, सभी दिशाएँ कल्याणकारी होकर सुशोभित हों।

परीक्षोपयोगी अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तराणि

1. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नान् उत्तरत-

(अ) कालोऽहम्। अहं खलु काल:। विश्वस्य आत्माऽहम्। कलयामि गणयामि जगत: आयु: प्रमाणम्। सततं चक्रवत् परिवर्तमान: भूतं वर्तमानं भविष्यदिष च वीक्षमाण: अहमेव साक्षी जगत: उत्पत्तेः विकासस्य प्रलयस्य च। इदम् जगत् तु पुन: पुन: जायते विलीयते च परमहं सर्वदा विद्यमानोऽस्य सर्व क्रियाकलापं पश्यामि। अहो! िकं जानीथ यूयम्, 'कियती प्राचीना इयम् सृष्टि:!' नैव! तिर्हं शृणुत ध्यानेन। 'कृतयुगं त्रेतायुगं द्वापरयुगं किलयुगञ्चेति चत्वारि युगानि। चतुर्णां युगानां समूह: एव महायुगम्। एक सप्तितमहायुगानाम् एकम् भन्वन्तरम्। चतुर्दशमन्वन्तराणां समूह: कल्प:। एक: कल्प एव ब्रह्मण: एकं दिनं मन्यते। ब्रह्मण: आयु: शतं वर्षाण।'

I. एकपदेन उत्तरत-

 $\frac{1}{2} \times 4 = 2$

(i) चक्रवत् क: परिवर्तते?

(iii) कल्प: केषाम् समृह:?

(ii) ब्रह्मण: आयु: कति वर्षाणि?

(iv) काल: कस्य आयु: गणयति?

II. पूर्णवाक्येन उत्तरत-

 $1 \times 1 = 1$

काल: केषां साक्षी अस्ति?

III. निर्देशानुसारम् कुरुत-	$\frac{1}{2} \times 4 = 2$
(i) 'विश्वस्य आत्माऽहम्' अत्र 'अहम्' सर्वनामपदं क	16 TO 17 TO 18 TO
(क) समयाय	(ख) जगते
(ग) संसाराय	(घ) कालाय
(ii) 'परमहं सर्वदा विद्यमान:' अत्र 'अहम्' इति सर्वनाग्	गपदस्य विशेषणपदं चित्वा लिखत।
(क) परम्	(ख) सर्वदा
(ग) विद्यमान:	(घ) विद्यमाना
(iii) 'नूतना' इति अस्य किं विपरीतार्थकं पदम् अत्र प्रयु	
(क) प्राचीना (क) करीन	(ख) अर्वाचीना
(ग) नवीना(iv) 'भूयोभूयः' अस्मिन् अर्थे किम् अव्ययपदम् अत्र प्रः	(घ) पुरातना
(क) सर्वथा (क) सर्वथा	पुनतम्? (ख) निरन्तरम्
(ग) पुन: पुन:	(घ) तर्हि
उत्तराणि— (I) (i) काल: (ii) शतम् (iii) चतुर्दशमन्वन्तराणाम्	
(II) काल: जगत: उत्पत्ते: विकासस्य प्रलयस्य च साक्षी	
	i) (क) प्राचीना (iv) (ग) पुन: पुन:।
(आ) मम कलनस्य तु आधारः सूर्य एव। सूर्यस्य द्वे गती उत्तरायः	
भारतीयमासानां नामानि नक्षत्रनामभि: सम्बद्धानि। पूर्णिमायां य	
यथा चैत्रे मासे पूर्णिमा चित्रानक्षत्रयुता भवति अतः तस्य मास	
षण्णाभेर्द्वादशाक्षस्य चतुर्विंशति	
यस्त्रिषष्टिशतारस्य वेदार्थं स	
I. एकपदेन उत्तरत-	$\frac{1}{2} \times 2 = 1$
(i) कस्य द्वे गती स्त:?	
(ii) कस्मिन् मासे पूर्णिमा चित्रानक्षत्रयुता भवति?	
II. पूर्णवाक्येन उत्तरत—	$1\times 2=2$
(i) भारतीयमासानां नामानि कै: सम्बद्धानि सन्ति?	
(ii) कालचक्रस्य कित अराणि सन्ति?	
III. निर्देशानुसारम् उत्तरत-	$1\times 2=2$
(i) 'वर्षम्' इत्यर्थे अत्र कः शब्दः प्रयुक्तः?	A.V. A
(क) मास:	(ख) संवत्सर:
(ग) समय:(ii) 'पूर्णिमा' इत्यस्य किं विशेषणम् अत्र प्रयुक्तम्?	(ষ) पक्ष:
(क) चित्रा	(ख) नक्षत्रेण
(ग) युता	(घ) चित्रानक्षत्रयुता
उत्तराणि – (I) (i) सूर्यस्य (ii) चैत्रे।	
(Π) (i) भारतीयमासानां नामानि नक्षत्रनामभिः सम्बद्धानि स	न्ति। (ii) षष्ट्युत्तरत्रिशतानि दिनानि एव कालचक्रस्य
अराणि सन्ति।	
(III) (i) (ख) संवत्सर: (ii) (घ) चित्रानक्षत्रयुता।	
 प्रदत्ते भावार्थे मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानपूर्तिः क्रियताम् 	1 × 4 = 4
सर्वस्तरतु दुर्गाणि, सर्वो भद्राणि पश्यतु।	
सर्वः कामानवाणोतु, सर्वः सर्वत्र नन्दतु॥	
भावार्थ:-अस्मिन् श्लोके कवे: मंगलकामना अस्ति यत् सर्व: (i) सर्व: कामान् (iii)। सर्व: यत्र कुत्र अ	पे (in) तत्र एवं प्रसीदत।
मञ्जूषा पश्यतु, गच्छतु, अवाप्नोतु, दुर्गाणि	1 (10)
	7: 1
उत्तराणि—(i) दुर्गाणि (ii) पश्यतु (iii) अवाप्नोतु 3. अधोलिखितकथनेषु रेखाङ्कितानि पदानि आधृत्य उदाहरणानुस	
(i) <u>ब्रह्मणः</u> आयुः शतं वर्षाणि।	1 x 0 - 0
(ii) अहम् एव साक्षी <u>जगतः</u> उत्पत्तेः।	
(iii) संवत्सरे <u>द्वादश</u> मासाः भवन्ति।	
(iv) चैत्रमासे सूर्य: उत्तरायण: भवति।	
(v) संवत्सरे <u>षड्</u> ऋतवः भवन्ति।	45 ⁽⁴⁷⁾
(vi) एकस्मिन् वर्षे चतुर्विशतिः पक्षाः।	
उत्तराणि —(i) कस्य? (ii) कस्य? (iii) कति? (iv) कः? (
4. अधोलिखितासु पङ्कतिषु रेखाङ्कित पदानां प्रसङ्गानुसारं शुद्धम्	अर्थं चित्वा लिखत — 1 × 3 = 3
(i) अहम् अखण्डः <u>शाश्वतः</u> विभुः।	a) was expected
	ख) रुव: भविष्यति व) सदैव
(ग) ।नत्य: (<i>ii</i>) मम <u>कलनस्य</u> आधार: सूर्य एव।	-/ A74
	कल्पनायाः
	व) कालस्य

(iii) नूतन <u>संवत्सर</u> -उत्सवदिवसे इदानीम्	यमेव मे शुभांशसा:।
(क) वर्षम्	(ख) मास:
(ग) पक्ष:	(घ) दिनम्
उत्तराणि – (i) (ग) नित्य: (ii)	ELECTRIC CONTROL STATE STATE STATE OF STATE STAT
 अधोलिखितपंक्तिषु स्थूलाक्षरपदानाम् प्र 	
सर्वस्तरतु दुर्गाणि, सर्वो भद्राणि पश्यतु	
सर्वः कामानवाप्नोतु, सर्वः सर्वत्र नन्दतु	
मञ्जूषा	
(i) चलं चित्तं चलं वित्तं चले जीवि	तयौवने।
(ii) सन्तोष एव पुरुषस्य परं निधान	n l
(iii) शिक्ष्यते सहपाठिभि:।	`
(iv) पद्मपत्रस्थितम् वारि धत्ते मुक्ताप	लिश्रयम्।
(v) गौरवं प्राप्यते दानात् न तु वित्तस	3.20
(vi) सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद्	3
। उत्तराणि–सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुः	TOWN O'D'S
 निम्न पदानां समुचितैः अर्थैः सह मेलनं 	
(क) शब्दाः	कुरुत- 1 x 7 = 7 (ख) अर्थाः
(1) विभु:	(ख) जयाः (क) नित्यः
(2) ब्रह्मण:	(ख) संकटानि
(3) जगत:	(ग) उत्पद्यते
(4) दुर्गाणि	(घ) संसारस्य
(5) शास्त्रतः	(ङ) शुभम्
(6) मंगलम्	(च) व्यापक:
(7) जायते	(छ) ईश्वरस्य
	वरस्य (3) (घ) संसारस्य (4) (ख) संकटानि 5. (क) नित्य:
(6) (ङ) शुभम् (7) (ग) उत्प	
	मूल्यपरक प्रश्नाः (VBQs)
वाक्यानि पठित्वा वाक्याधारितान् प्रश्नाम	उत्तरत-
प्रश्नाः (i) 'विश्वस्य आत्माऽहम्।' इति वा	म्यं क: कथयति?
(ii) 'अद्य कलियुगं तु द्विपञ्चाशतृतः	ां शतकं प्रविशति।' अत्र कस्य समयस्य वर्णनम् अस्ति?
(iii) 'प्राचीनतमा हि एषा गणना।' क	
(iv) 'सर्व: सर्वत्र नन्दतु।' इति वाक्ये	
37(1101 - (1) min: (11) 4	गादि पर्वण: (iii) कालस्य (iv) कालस्य